राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 11 जून 2024 वर्ष-7,अंक-138 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेरे मंत्री पद छोड़ने की बात गलत : सुरेश गोपी

- रविवार को राज्य मंत्री की शपथ ली थी; केरल से भाजपा के पहले सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में राज्यमंत्री बने सुरेश गोपी ने सोमवार को मंत्री पद छोड़ने वाली खबरों को गलत बताया है। सुरेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म गलत खबर फैला रहे हैं कि मैं मोदी सरकार के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने

जा रहा हूं। यह पूरी तरह गलत है। मोदी जी के नेतृत्व में हम केरल के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दरअसल, एक मलयालम टीवी चैनल ने गोपी के हवाले से दावा किया था कि वे मंत्री नहीं बनना चाहते हैं और एक सांसद के रूप में काम करेंगे। एक्टर से राजनेता बने गोपी ने लोकसभा चुनाव जीतने के बाद कहा था कि वे फिल्म इंडस्ट्री नहीं छोड़ेंगे क्योंकि एक्टिंग उनका जुनून है। उनके पास पहले से ही कुछ फिल्म प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं।

सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

10 जुलाई को मतदान और 13 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की चार सीटों सहित सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। उपचुनाव मौजूदा सदस्यों की मृत्यु या इस्तीफे के कारण रिक्त सीटों पर कराए जाएंगे।

इन सीटों पर कराए जाएंगे उपचुनाव- जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें बिहार की रूपौली, पश्चिम बंगाल की रायगंज, रानाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला, तमिलनाडु की विक्रवंडी,मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा, उत्तराखंड की बद्रीनाथ और मंगलौर, पंजाब की जालंधर पश्चिम और हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ शामिल हैं।

ओडिशा में मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण अब 12 को

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में अब नई सरकार 12 जून को शपथ लेगी। पहले शपथ 10 जून को होनी थी। आंध्र प्रदेश में भी भाजपा के सहयोगी टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू 12 को ही मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। ओडिशा में बीजेपी ने 147 विधानसभा सीटों में से 78 सीटें जीती हैं। ओडिशा के लिए अब तक मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं हुई है।

अंटार्कटिका की खोई हुई नदी रियो ग्रांडे की 3 करोड़ साल बाद हुई खोज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका में एक प्राचीन नदी की खोज की है, जिसे रियो ग्रांडे के नाम से जाना जाता है। इस नदी को 34 मिलियन यानी 3 करोड़ साल के बाद खोजा गया है। ये खोज वैज्ञानिकों को बड़ी आस जगा रही है, इससे महाद्वीप के जलवायु इतिहास के बारे में नई जानकारियां मिली है। यह अभूतपूर्व खोज यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु परिवर्तन ने बीते लाखों सालों में कैसे चीजों को बदलकर नया आकार दिया है। यह खोज एरिजोना विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम ने हाल ही में की है। इस नदी की खोज करने वाली टीम का नेतृत्व भूविज्ञानी डॉक्टर स्टीवर्ट जैमीसन ने किया है। रियो ग्रांडे की उपस्थिति से पता चलता है

कि अंटार्कटिका में कभी बहुत हल्की जलवायु थी, जिसमें ऐसी परिस्थितियां थीं जो बहते पानी के लिए मुफीद थीं। यह खोज महाद्वीप के हिमनद इतिहास के बारे में पिछली धारणाओं को चुनौती देती है और संकेत देती है कि अंटार्कटिका के कुछ हिस्से कुछ अवधियों के दौरान बर्फ से मुक्त रहे होंगे। डॉ. जैमीसन ने इस खोज पर बात करते हुए कहा, रियो ग्रांडे अंटार्कटिका में हमने जो कुछ अब तक देखा, उससे अलग है। यह नदी प्रणाली लाखों वर्षों तक बर्फ के नीचे दबी रही और अतीत की एक अनूठी झलक प्रदान करती है।

अंटार्कटिका पर सोच को बदलती है खोज

डॉ. जैमीसन ने आगे कहा, यह खोज अंटार्कटिक बर्फ की चादर और इसकी स्थिरता के बारे में हमारी समझ को बदल देता है। यह जानना कि इतनी बड़ी नदी प्रणाली मौजूद थी, इसका मतलब है कि बर्फ की चादर हमारे विचार से बहुत छोटी थी। रिसर्च टीम नदी प्रणाली की आयु और इसे बनने देने वाली जलवायु परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आगे के अध्ययन करने की योजना बना रहा है। इससे वैश्विक तापमान वृद्धि के जवाब में अंटार्कटिक बर्फ की चादर में भविष्य में होने वाले परिवर्तनों के बारे में अहम डेटा मिल सकता है।रियो ग्रांडे की खोज अंटार्कटिका के अन्य हिस्सों में इसी तरह की छिपी हुई नदी प्रणालियों की संभावना के बारे में भी सवाल उठाती है। डॉक्टर जैमीसन का कहना है कि उनकी टीम सतह को खरोंच रहे हैं क्योंकि बर्फ के नीचे नदी प्रणालियां हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तन ध्रुवीय क्षेत्रों को प्रभावित करना जारी रखता है इसलिए अंटार्कटिका की बर्फ और जल प्रणालियों के इतिहास को समझना तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है।रियो ग्रांडे से प्राप्त निष्कर्ष वैज्ञानिकों को बर्फ की चादर की गतिशीलता और समुद्र स्तर में वृद्धि के अधिक सटीक मॉडल विकसित करने में मदद करेंगे। यह खोज अंटार्कटिका में निरंतर खोज के महत्व को भी उजागर करती है।

राहुल गांधी की केरल यात्रा से पहले राजनीति गर्म

रायबरेली रखेंगे या वायनाड सीट छोड़ेंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड सीट से जीत दर्ज की है। हालांकि, एक ओर वह रायबरेली की जनता को बधाई दे रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस नेता अब वायनाड का दौरा करने वाले हैं। राहुल गांधी के वायनाड दौरे से पहले राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार तेज हो गया है।

12 जून को राहुल गांधी जाएंगे वायनाड?

मीडिया सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी 12 जून को केरल के वायनाड का दौरा कर सकते हैं। मालूम हो कि कांग्रेस नेता की केरल दौरान हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में वायनाड लोकसभा क्षेत्र में भारी जीत हासिल करने के कुछ दिनों बाद हो रही है। उन्होंने वायनाड लोकसभा सीट से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और सीपीआई उम्मीदवार एनी राजा को 3,64,422 मतों के अंतर से हराया था।

मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाला

किसान सम्मान निधि की फाइल पर सबसे पहले किए साइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 71 मंत्रियों ने शपथ ली, इनमें 11 सहयोगी दलों के हैं। शपथ लेने के बाद सोमवार को पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाला। उन्होंने सबसे पहले किसान सम्मान निधि की फाइल पर साइन किए। पीएमओ पहुंचने पर कर्मचारियों ने मोदी का स्वागत किया। सोमवार (10 जून) शाम पांच बजे पीएम आवास लोक कल्याण मार्ग पर कैबिनेट की पहली बैठक और उसके बाद डिनर हुआ। सूत्रों के अनुसार बैठक में मंत्रियों को उनके विभाग बांटे गए। साथ ही सरकार के पहले सौ दिन के रोड मैप पर भी चर्चा हुई।

- तीसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक में मंत्रियों के विभाग बांटे जा सकते हैं

पीएमओ में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा-

इस जीत के बड़े हकदार भारत के सरकारी कर्मचारी; पीएमओ जनता का कार्यालय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पीएमओ में कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में वैश्विक मापदंडों से भी आगे जाकर काम करना है। उन्होंने उन्होंने कहा कि जहां कोई नहीं पहुंचा, वहां अपने देश को हमें पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरा शुरू से प्रयास रहा है कि एमपीओ सेवा का अधिष्ठान और 'पीपुल्स पीएमओ' (जनता का प्रधानमंत्री कार्यालय) बने। सरकार का मतलब सामर्थ्य, समर्पण और संकल्पों की नई ऊर्जा है। हमारी टीम के लिए ना तो समय का बंधन है, ना सोचने की सीमाएं और ना ही पुरुषार्थ के लिए कोई तय मानदंड। इस विजय के बड़े हकदार भारत सरकार के कर्मचारी भी हैं, जिन्होंने एक विजन के लिए खुद को समर्पित कर देने में कोई कमी नहीं रखी।

मोदी कैबिनेट का पहला फैसला-

3 करोड़ नए घर बनेंगे

पीएम आवास योजना के तहत होगा निर्माण, इनमें टॉयलेट, बिजली, पानी और गैस कनेक्शन होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी कैबिनेट ने पहली बैठक में गरीबों के लिए तीन करोड़ नए घर बनाने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गांवों और शहरों में बनने वाले इन घरों में टॉयलेट, बिजली, पानी और गैस कनेक्शन होगा।

इस स्कीम के तहत पिछले 10 साल में कुल 4.21 करोड़ घर पहले ही बनाए जा चुके हैं। योजना के तहत घर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार से आर्थिक मदद दी जाती है। मोदी 3.0 की पहली कैबिनेट बैठक सोमवार 10 जून को पीएम आवास पर हुई। इसमें सभी कैबिनेट मंत्री शामिल हुए।

मोदी कैबिनेट में शाह, राजनाथ, गडकरी के मंत्रालय रिपीट

जयशंकर विदेश मंत्री, शिवराज को कृषि और मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा विभाग मिला, चिराग पासवान खेल मंत्री, अश्विनी वैष्णवरेल मंत्री

मोदी सरकार के विभागों का बंटवारा सोमवार शाम

6-30 बजे किया गया। अमित शाह को फिर से गृह मंत्री, राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्री, नितिन गडकरी को सड़क मंत्री बनाया गया है। एस जयशंकर के पास विदेश मंत्रालय ही रहेगा।शिवराज सिंह को कृषि मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा विभाग दिया गया है। नितिन गडकरी के साथ दो राज्य मंत्री रहेंगे। अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा को सड़क मंत्री परिवहन राज्य मंत्री बनाया गया है। चिराग पासवान को खेल मंत्री बनाया गया। जीतन राम मांझी सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय। अश्विनी वैष्णव,रेल मंत्री।

प्रधानमंत्री मोदी की कनाडा को दो टूक, बोले-

बेहतर संबंधों के लिए एक-दूसरे की चिंताओं पर ध्यान देना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिनों कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में खालिस्तान आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने कनाडा की संसद में निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया और कहा कि भारत को कनाडा में कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल की जीत के लिए दुनियाभर से बधाई संदेश मिले। इन बधाई संदेशों में एक संदेश कनाडा की सरकार का भी है।

कनाडा ने परोक्ष रूप से कसा तंज

दरअसल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी की जीत के लिए बधाई देते हुए लिखा 'कनाडा की सरकार, भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए तैयार है और ये संबंध मानवाधिकार, विविधता और कानून के शासन के आधार पर होने चाहिए।' गौरतलब है कि बीते दिनों कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में खालिस्तान आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने कनाडा की संसद में निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया और कहा कि भारत को कनाडा में कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए। हालांकि भारत ने कनाडा को आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था और बयान के संबंध में सबूत मांगे थे।

लखीमपुर में बड़ा हादसा

घाघरा नदी में डूबने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, सुबह-सुबह नहाने गए थे सभी

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। पढुआ थाना क्षेत्र के तेलियार में एक ही परिवार के पांच सदस्य घाघरा नदी में डूब गए। इनमें 12 साल के बालक समेत चार की मौत हो गई। जबकि 12 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक गांव बोकरिहा निवासी पच्चो देवी (50 वर्ष), टिया (17 वर्ष) पुत्री सुबोध, कान्हा (12 वर्ष) पुत्र निर्मल, नैनी पुत्री निर्मल, सत्यम (26 वर्ष) पुत्र मित्तल अपनी रिश्तेदारी में तेलियार आए थे। यहां ये सभी सोमवार सुबह घाघरा नदी में नहाने गए थे। बताते हैं कि नदी में नहाते समय मोबाइल से रील भी बनाई।

नैनी की हालत गंभीर

नैनी को जिला अस्पताल भेजा गया है। उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। उधर, रमियाबेहढ़ सीएचसी में मृतकों के परिजन व रिश्तेदार भी पहुंच गए। शवों को देखकर चीख-पुकार मच गई। चीत्कार से सीएचसी की दीवारें थर्रा उठीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजने की कार्रवाई शुरू की।

केजरीवाल सरकार से सुप्रीम कोर्ट नाराज

हमें हल्के में न लें, नहीं तो हम...,सिंघवी को भी लगा दी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जल संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। दिल्ली में अतिरिक्त पानी की मांग के लिए दिल्ली की केजरीवाल सरकार सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पहुंची हुई है। उसी मामले की सुनवाई के दौरान केजरीवाल सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई और सुनवाई टाल दी।

दिल्ली सरकार को फटकार- मीडिया के अनुसार, सोमवार को कोर्ट ने दिल्ली सरकार को उसकी याचिका में खामियों को दूर न करने पर फटकार लगाई, जिसमें हरियाणा को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह हिमाचल प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को कम करने के लिए दिए गए अतिरिक्त पानी को जारी करे।

हमें हल्के में न लें...- न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की अवकाश पीठ ने दिल्ली सरकार के वकील से कहा कि सरकार द्वारा दायर याचिका में खामियों के कारण रजिस्ट्री में हलफनामे स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। आपने खामियों को दूर क्यों नहीं किया? हम याचिका खारिज कर देंगे। पिछली तारीख पर भी इस ओर ध्यान दिलाया गया था और आपने खामियों को दूर नहीं किया। अदालती कार्यवाही को हल्के में न लें, चाहे आपका मामला कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न हो, हमें हल्के में न लें। पीठ ने इसके बाद मामले की सुनवाई 12 जून तक के लिए स्थगित करते हुए कहा, सब कुछ रिकॉर्ड पर आ जाना चाहिए। हम इसे परसों लेंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह मामले की सुनवाई से पहले फाइलें पढ़ना चाहती है, क्योंकि अखबारों में बहुत सी बातें बताई जा रही हैं।

अभिषेक मनु सिंघवी को फटकार

कोर्ट ने दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी को फटकार लगाते हुए कहा कि दाखिल किए गए दस्तावेजों को ठीक कीजिए, तब तक इसे स्वीकार नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, आप अदालत में सीधे कई दस्तावेज सौंपते हैं और फिर कहते हैं कि आपके पास पानी की कमी है और आज ही आदेश पारित कर दीजिए। आप सभी तरह की अत्यावश्यकताएं उठा रहे हैं और फिर आराम से बैठ जाते हैं।

प्रेम सिंह तमांग लगातार दूसरी बार सिक्किम के सीएम बने

- विधानसभा की 32 में से 31 सीटें जीतीं, 25 साल सत्ता में रही एसडीएफ का सफाया

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में प्रेम सिंह तमांग लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बन गए। तमांग ने सोमवार 10 जून को गंगटोक के पल्जोर स्टेडियम में सीएम पद की शपथ ली। प्रेम सिंह तमांग, पीएस गोले के नाम से मशहूर हैं। सिक्किम में विधानसभा की 32 सीटें हैं, तमांग की सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने 31 सीटें जीतीं। सिक्किम में विधानसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को एक चरण में वोटिंग हुई थी। 2 जून को नतीजे आए थे।

सिक्किम में 25 साल सत्ता में रही पार्टी का सफाया- सिक्किम में सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट का सफाया कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कृत्रिम हृदय की ओर

आईआईटी, कानपुर में कृत्रिम हृदय के निर्माण में लगे इंजीनियरों को आगे प्रयोग की मंजूरी मिलना एक बड़ी खुशखबरी है। यह संस्थान साल 2022 में ही कृत्रिम हृदय तैयार कर चुका है और प्रयोगशाला में उसके प्रयोग सफल भी रहे हैं। अब इस कृत्रिम हृदय का प्रयोग एक बकरी में किया जाएगा। कृत्रिम हृदय, जिसे 'हृदयंत्र' नाम दिया गया है, वह ऐसे मरीजों के काम आ सकता है, जिनको हृदय प्रत्यारोपण का इंतजार है। गौरतलब है कि भारत में ही प्रति वर्ष करीब एक करोड़ लोगों को हृदय की वजह से लाचार होना पड़ता है, पर जब कृत्रिम हृदय को सफलता मिल जाएगी, तो हृदय-रोगियों को नया जीवन मिलेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि जब इस प्रयोग को सफलता मिल जाएगी, तो हृदय प्रत्यारोपण का खर्च दस गुना घट जाएगा। अभी हृदय प्रत्यारोपण के जो विकल्प दुनिया में उपलब्ध हैं, वे पर्याप्त या सुलभ नहीं हैं। अत- भारत में किफायती और सक्षम कृत्रिम हृदय की खोज होती है, तो चिकित्सा जगत के लिए एक ऐतिहासिक कामयाबी होगी। यह भी एक सुखद संयोग है कि शरीर की अभियांत्रिकी पर किसी भारतीय इंजीनियरिंग कॉलेज में काम हो रहा है। चिकित्सा का काम वास्तव में आधुनिक समय में इंजीनियरिंग से जुड़ा हुआ है। आईआईटी, कानपुर के जिन वैज्ञानिकों ने यह अद्भुत निर्माण किया है, उन्होंने बाकायदे ऑपरेशन थियेटर में मौजूद रहते हुए हृदय का ऑपरेशन करीब से देखा है। दरअसल, हमारा शरीर किसी इंजीनियरिंग महायंत्र से कम नहीं है। देश के विख्यात चिकित्सक देवी शेट्टी ने ही आईआईटी, कानपुर को इस प्रयोग और निर्माण के लिए प्रेरित किया था। इस तरह से चिकित्सकों के साथ मिलकर अभियंताओं ने काम किया है और आगे जब एक बकरी में यह प्रत्यारोपण होगा, तब भी ऑपरेशन थियेटर में चिकित्सकों के साथ अभियंता भी रहेंगे। गौर करने की बात है कि पहले कानपुर में हृदय के ठीक नीचे प्रत्यारोपित किया जाने वाला, बैटरी से चलने वाला छोटा पंपिंग उपकरण बनाया गया था। यह एक पंप की तरह काम करता है, जो पूरे शरीर में रक्त संचारित करने में मदद करता है, जिससे रोगी को एक नया जीवन मिलता है। यह यंत्र भी आईआईटी ने बहुत सस्ते में बनाया था, जबकि ऐसा ही काम करने वाला यंत्र करीब एक करोड़ रुपये में उपलब्ध होता है। दरअसल, जरूरत एक चालू यांत्रिक कृत्रिम हृदय के बजाय एक जीवंत कृत्रिम हृदय की है, जो पुख्ता रूप से शरीर के अंदर स्थापित होकर बाकी अंगों के साथ तालमेल बिठाकर घुल-मिलकर काम करने लगे। वैसे, कृत्रिम हृदय के साथ यह कोई पहला प्रयोग नहीं है। साल 1938 में पहले कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण एक कुत्ते में किया गया था। 1952 में एक यांत्रिक हृदय बनाया गया, जो शल्य चिकित्सा की स्थिति में आंशिक रूप से कुछ समय के लिए हृदय की तरह काम करता था। खैर, अब मानव हृदय का किसी मानव में प्रत्यारोपण संभव है, लेकिन प्राकृतिक हृदय की उपलब्धता एक बड़ी कमी है, जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। जब रक्तदान की स्थिति ही अभी पर्याप्त नहीं है, तब हृदय दान के लिए माहौल भला कैसे बनाया जा सकता है? अत- सबसे बेहतर विकल्प है कि एक कारगर कृत्रिम हृदय का सृजन जल्दी से जल्दी किया जाए, ताकि करोड़ों लोगों को नया जीवन दिया जा सके।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मप्र की मोहन सरकार अब कड़े फैसलों की तैयारी में

(लेखक- ऋतुपर्ण दवे)

आम-चुनाव 2024 के नतीजे भले ही खिचड़ी हों। लेकिन मप्र में मोदी-मोहन मैजिक चला इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। यूं तो इस बार के नतीजे अलग-अलग राज्यों के लिहाज से अलग देखे जाएंगे। लेकिन जहां तक मध्य प्रदेश और दिल्ली की बात है, भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। निश्चित रूप से इसका श्रेय दिल्ली भाजपा संगठन तो मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश संगठन को जाता है। प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों में जिस तरह की बयार बह रही थी उसके बावजूद हवा के रुख का जरा सा भी असर नहीं होना बताता है कि कहीं न कहीं इसके लिए डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की तैयारियां अचूक थीं।छिंदवाड़ा की जीत यही बताती है। प्रदेश की सीमाओं की बात करें तो उत्तर में उत्तर प्रदेश,दक्षिण में महाराष्ट्र, उत्तर-पश्चिम में राजस्थान, पश्चिम में गुजरात औरपूर्व में छत्तीसगढ़ जहां हर जगह भाजपा को वो क्लीन स्वीप नहीं मिली जो कि मध्य प्रदेश और दिल्ली में एकतरफा थी। इस बात को कैसे नकार सकता है कि यह बिना मेहनत संभव हुआ होगा? वह भी उन हालातों में जब मतदाताओं ने यहां भी खामोशी अख्तियार की हुई थी। शायद इसी मुगालते में कांग्रेस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही औरखामोश मतदाताओं ने मोदी-मोहनके भरोसे पर भाजपा की पूरी झोली भर दी।

मुख्यमंत्री बनते ही डॉ. मोहन यादव के कड़े फैसलों जिसमें बेलगाम लाउड स्पीकरों सहित मांस, मटन की खुले आम बिक्री पर लगाम लगाना अहम रहा। सख्ती के साथ सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन कराने केतल्ख संदेश को हर वर्ग ने सराहा। यहीं से उनकी अलग छाप दिखी। इसके अलावा प्रदेश में बढ़ते बल्कि बेखौफ हो चुके माफिया राज को भी न केवल काबू किया बल्कि ताबड़तोड़ कार्रवाई करवो किया जो अब तक नहीं हुआ। इसी बीच नर्सिंग घोटाले, बिगड़ी कानून व्यवस्था दुरुस्त करने, निजी स्कूल माफियाओं पर सख्तीने साफ कर दिया कि जो चलता था,अब नहीं चलेगा।इससे प्रदेश की बेलगाम अफसरशाही को भी सख्त संदेश गया। कई मौकों पर आचार संहिता के चलते भी अड़चनें आईं लेकिन बावजूद इसके अपनी सीमा में जो किया वह भी बड़ा ही था। चुनाव के तीसरे चरण के दौरान शहडोल में रेत माफियाओं द्वारा एक पुलिस अधिकारी को ट्रैक्टर से रौंदकर मार डालने, शहडोल संभाग मुख्यालय में ही नाबालिग बालिका से गैंगरेप की घटना ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन घटना में शामिल सभी आरोपी न केवल तुरंत धरे गए बल्कि सभी के अवैध निर्माणों को जमींदोज कर सीखचों में पहुंचा अपना सख्त पैगाम फिर दे दिया। निश्चित रूप से इस सख्ती का पूरे प्रदेश में बड़ा संदेश गया।

प्रदेश मे बेलगाम हो चुके खनन माफियाओं पर देखते ही देखते दर्जनों से सैकड़ो मेंहुई ताबड़तोड़ कार्रवाइयों से संगठित, सिंडीकेट के रूप में काम करने वाले लोग सकते में आ गए। सीधी, सिंगरौली, शहडोल, देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, खरगौन, हरदा में पचासों करोड़ रुपए के पोकलिन मशीनें, पनडुब्बी सहित रेत ढ़ोने वाले हाइवा, ट्रेक्टर जप्त हुए। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पूरे प्रदेश में किस कदर खनन माफिया हावी रहे जिनकी जडें बहुत गहरी और अर्से से हैं। अवैध रेत निकासी, अवैध कोयला खदानों पर भी धड़ाधड़ गाज गिरने लगी। कोयला-रेत उत्खनन का गढ़ बनते शहडोल में ही मई के आखिरी सप्ताह तक 74 मामलों में 5 करोड़ 19 लाख रुपयों से ज्यादा का जुर्माना लगाकर नवागत कलेक्टर तरुण भटनागर ने बता दिया कि शासन-प्रशासन और डॉ. मोहन यादव की मंशा क्या है। इसी तरह ड्रग माफियाओं पर भी जबरदस्त नकेल कसी गई। मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जहां-तहां अवैध गांजे व नशीली दवाइयों की खेप पकड़ी जाने लगीं। शायद ही कोई दिन जाता हो जब प्रदेश में कहीं न कहीं ऐसी कार्रवाई न दिखती हो।

अब प्रदेश में जिलों और संभागों की नई सीमाओं के पुनर्गठन की तैयारी है। इसकी अर्से से मांग थी। प्रदेश की आधी से ज्यादा आबादी को संभाग या जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। जबकि दूसरा जिला मुख्यालय उनके करीब होता है। राज्य में सीमा पुर्नगठन आयोग 10 संभागों व 55 जिलों की भौगोलिक समीक्षा कर तमाम विसंगतियों को दूर करेगा और लगभग एक वर्ष में अपना काम पूरा कर लेगा।

मुख्यमंत्री की विशेष निगाहें राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर है। हाल में स्कूल माफियाओं जिसमें निजी स्कूलों और प्रकाशकों की सांठगांठ पर बड़ी कार्रवाई जबलपुर, शहडोल सहित कई जिलों में होना बताता है कि सरकारी स्कूलों के दिन फिर बहुरने वाले हैं। दरअसल मप्र में जनजातीय कार्य विभाग व स्कूल शिक्षा विभाग की दोहरी व्यवस्था है। जहां-जहां जनजातीय विभाग के अधीन शिक्षा व्यवस्था है वहां पर भारी अव्यवस्थाएं सामने हैं। कहीं अपात्रों को बड़ी संस्थाओं का मुखिया बना देना कहीं जूनियरनौसिखियों के हाथों में कन्या छात्रावासों की जिम्मेदारी तो बड़ी-बड़ी स्कूलों काप्रभार सौंपने का बहुत बड़ा खेल हुआ है। इतना ही नहीं बीते वर्ष प्रधानमंत्री मोदी की शहडोल यात्रा के बाद चर्चा में आए शहडोल के पकरिया में व्यवस्थाओं का नहीं बदलना खूब सुर्खियों में रहा। एक अदद नियमित अंग्रेजी लेक्चरर को तब भी और अब भी पकरिया का पोषण स्कूल और पूरा करीबी आदिवासी अंचल तरस रहा है। वहीं जनजातीय कार्य विभाग की असीम कृपा से पकरिया से 5 किमी दूर धनपुरी कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल है जहां झूठी जानकारी देकर अंग्रेजी के दो-दो लेक्चरर अब भी तैनात हैं। तत्कालीन जिला प्रशासन ने प्रधानमंत्री के दौरे और तब दो-दो बार तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के आने, रुकने के दौरान यह बात चतुराई से छिपाई थी। निश्चित रूप से ऐसी विसंगतियां और उदाहरण पूरे प्रदेश में सुनाई देते हैं। कहीं अतिशेष तो कहीं युक्तियुक्तकरण के मनमाने मायने निकाल बेखौफ संकुल प्रभारियों का खेला और डेपुटेशन के जरिए कमाने कोजरिए से भी डॉ. यादव वाकिफ हैं। कई बार संकुल व्यवस्था खत्म करने की बातें हुईं। अब इसको लेकर भी बड़ी कार्रवाई की बात भोपाल में सुनने आ रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में सुधार को लेकर बड़ी रणनीति बन रही है तो जनसरोकारों से जुड़े हर विभाग की व्यक्तिगत समीक्षा और निगरानी की योजना चर्चाओं में है।

मध्य प्रदेश में भाजपा द्वारा आम चुनाव में क्लीन स्वीप के बाद राज्य सरकार की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लेकर स्वनामधन्यों का भ्रम टूटता जा रहा है। आचार संहिता खत्म हो चुकी है। विभागों की समीक्षा जारी है। जल्द ही व्यापक स्तर पर बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी है। अधिकारियों से लेकर बरसों से एक ही कुर्सी पर विराजे छोटे-बड़े मुलाजिमों की विदाई के साथ झूठी जानकारी देकर कुण्डली मार जमने वालों के बदले जाने की चर्चाएं हैं।जैसा सुनने में आ रहा है इस बार दलाल संस्कृति के बजाए मुख्यमंत्री अपनी विश्वनीय टीम और भरोसेमंदों से जानकारियों के आधार पर जिले से लेकर तहसील कार्यालयों सहित दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के सराकरी स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं, ग्राम पंचायतों तक में बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं।फर्जी जानकारियों के बूतेकुण्डली मारकर बैठे स्वनामधन्यों को नए ठिकानों पर रुखसत किया जाना तय माना जा रहा है।

मध्य प्रदेश में शासन स्तर पर अब जैसी कार्रवाइयों की तैयारियां हैं उससे लोगों में एक नई उम्मीद जरूर बंधी है। यदि सब कुछ योजनाबध्द चला तो वह दिन दूर नहीं जब देश में मध्य प्रदेश और डॉ. मोहन यादव मॉडल अपनी अलग प्रशासनिक पहचान बनाकर देश कोनया संदेश देगा।

क्रांतिकारी बदलाव लाएगा चैटजीपीटी

(लेखक- संजय गोस्वामी)

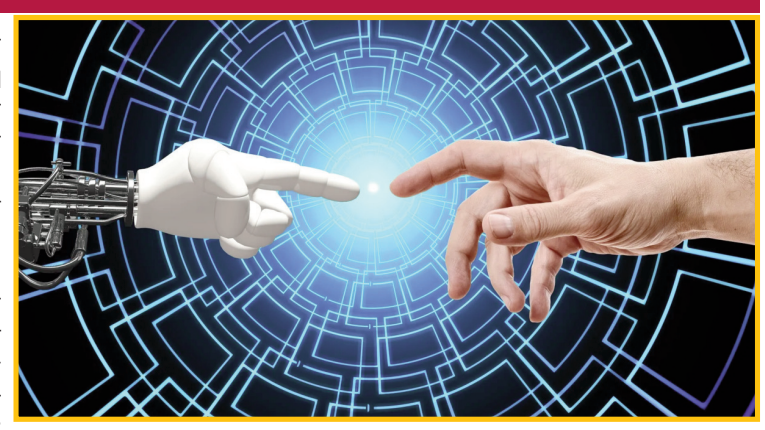

साल 2022 में चैटजीपीटी के लॉन्च होने के बाद से ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चर्चा में है। चैटजीपीटी का पूरा नाम चैट जेनरेटिव प्रीट्रेंड ट्रांसफार्मर है। इसे 30 नवंबर 2022 को लॉन्च किया गया था। इसे ओपन एआई द्वारा विकसित किया गया है। चैट जीपीटी एक प्रकार का चैट बॉट है जो प्रश्न पूछे जाने पर सरल सहायक जैसे उत्तर प्रदान करता है। यह एक प्रकार का विशेषज्ञ होता है जिसकी संचार कौशल उत्कृष्ट होती है, लेकिन यह कोई इंसान नहीं है, यह एक कंप्यूटर प्रोग्राम है जो आपके सवालों के जवाब देने के लिए पहले से तैयार डेटा और जानकारी का उपयोग करता है। कुछ साल पहले टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में उम्मीदें जताई जा रही थीं कि यह नई पीढ़ी तक खबर पहुंचाएगा और टेक्नोलॉजी की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। चैट जीपीटी को आसान शब्दों में समझें तो आप इसे एक वर्चुअल असिसटेंट के रूप में सोच सकते हैं, जो आपके हर सवालों के जवाब देता है. यह भी उम्मीद थी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से हमें चर्चा और सूचना फैलाने का कारगर तरीका मिल जाएगा, लेकिन व्यवहार में इसका उल्टा हो रहा है। एक तरफ टेक्नोलॉजी ने आर्थिक और सामाजिक विकास किया है, वहीं दूसरी तरफ नशीली दवाओं के इस्तेमाल में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इंटरनेट लोगों की राजनीति में रुकावटें पैदा करने और जागरूकता फैलाने का एक शक्तिशाली साधन बनकर उभरा है। अपने सरलतम रूप में, एआई को कंप्यूटर का उपयोग करके उन चीजों को करने के रूप में समझा जा सकता है, जिनके लिए अन्यथा मानवीय बुद्धि की आवश्यकता होती है। इसका एक उदाहरण इन दिनों माइक्रोसॉफ्ट के चैटजीपीटी और गूगल के बोर्ड के बीच एआई बाजार पर कब्जा करने की चल रही होड़ है। ड्राई क्लीनिंग के कारण गहरे प्रदूषण की समस्या और गंभीर हो गई है। दरअसल, डीप लॉगिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से वीडियो क्लिप या फोटो पर किसी दूसरे व्यक्ति का चेहरा लगाने का चलन तेजी से बढ़ा है। इस माध्यम से ऐसी मूर्तियां या तस्वीरें बनाई जा रही हैं जो बिल्कुल असली लगती हैं। एक बार ऐसे वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड हो जाने के बाद वे बहुत तेजी से फैलते हैं। इंटरनेट पर ऐसे सैकड़ों डीपफेक वीडियो उपलब्ध हैं। भारत जैसे देश में, जहां डिजिटल साक्षरता बहुत अधिक है, डीपफेक वीडियो एक गंभीर समस्या है। जब लोगों को डीपफेक वीडियो मिलता है, तो वे उसे तुरंत फॉरवर्ड करने में संकोच नहीं करते। एआई की अगली पीढ़ी, जिसे जनरेटिव एआई कहा जाता है, इस समस्या को अगले स्तर पर ले जाती है। डॉक्स, चैटजीपीटी, मेटा और मेक-ए-वीडियो जैसी साइटों पर, आप इस तरह के वीडियो बना सकते हैं जो अनिवार्य रूप से काल्पनिक हैं। उदाहरण के लिए, हाल ही में एक फोटो वायरल हुई जिसमें राष्ट्रपति बराक ओबामा और एंजेला मार्गोट समुद्र तट पर छुट्टियां मनाते नजर आ रहे हैं, लेकिन यह फोटो एआई द्वारा बनाई गई थी। इन साइटों को वीडियो या गाने को बदलने के लिए किसी मूल स्रोत की आवश्यकता नहीं होती है। वे सामग्री के आधार पर एक छवि, पाठ या वीडियो बना सकते हैं। इससे भविष्य में बहुत नुकसान हो सकता है क्योंकि हमारे पास सबूत के तौर पर मूल सामग्री नहीं होगी। हाल ही में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए गए दो सिजलिंग वीडियो और एक अखबार की रिपोर्ट, ग्रीनशॉट, डिजिटल रूप से परिवर्तित एसजीडी, वीडियो निर्माण में एआई टूल्स द्वारा उत्पन्न खतरों को उजागर करते हैं। एसी नीलसन की हालिया इंडिया इंटरनेट रिपोर्ट 2023 चौंकाने वाली है। इसमें 42.5 करोड़ अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता ग्रामीण भारत में हैं, जो शहरी भारत के 29.5 करोड़ लोगों से 44न अधिक है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लगभग आधा ग्रामीण भारत इंटरनेट पर है, जिसके और बढ़ने की संभावना है। सोशल मीडिया नए चैंबर भी बना रहा है जिसमें समान रुचियों और झुकाव वाले लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं। ऐसे में डीप वीडियो ब्रॉडकास्टिंग को बढ़ावा देकर मीडिया साक्षरता और आलोचनात्मक सोच को बुनियादी शिक्षा में पाठ्यक्रम में शामिल करने की जरूरत है और जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सकता है। लोगों को डूबने से बचाने में मदद करने के लिए समग्र दृष्टिकोण बनाने के लिए ऐसा किया जा सकता है। गहरी और नई दुनिया को जीवित रखने के लिए, हमें सभी उम्र के लोगों को आज और भविष्य के लिए तैयार करने के लिए एक बहुआयामी, सकल-क्षेत्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

विचार मंथन

बहुत कठिन है डगर एनडीए सरकार की

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों के बाद सियासी आईने में नजर आने वाली एनडीए सरकार की तस्वीर भले ही सुखद और मजबूत नजर आ रही हो, लेकिन चुनौतियां इस कदर हैं कि आगे चलकर इस तस्वीर के धुंधले होने की गुंजाइश कुछ ज्यादा ही लग रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह गठबंधन सरकार को चलाने का अनुभव नहीं होना बताया जा रहा है। दरअसल इससे पहले तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्ण बहुमत की सरकार चलाते आए हैं। यह अलग बात है कि एनडीए गठबंधन को उन्होंने साथ रखा। ऐसे में पीएम मोदी के द्वारा लिए गए फैसलों पर एनडीए गठबंधन में शामिल दलों ने किसी तरह की कोई आपत्ति भी दर्ज नहीं कराई थी। सच कहा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी और उनके खास मंत्रियों के लिए 17वीं लोकसभा में पूरी मजबूती के साथ सरकार चलाने का अनुभव भी सुखद रहा, लेकिन अब ऐसा नहीं रहने वाला है। अब जबकि 18वीं लोकसभा में जादुई आंकड़े से भारतीय जनता पार्टी काफी दूर रह गई है, तब गठबंधन के मजबूत दलों के मिजाज पर निर्भर रहने जैसी विकट समस्या का सामना भी मोदी सरकार को करना होगा। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने हैट्रिक लगाते हुए तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभाल ली है। यह भी अपने आप में इतिहास रचने जैसा कार्य ही है। राष्ट्रपति भवन में रविवार शाम 7-15 बजे नरेंद्र मोदी समेत देशभर से एनडीए के 72 सांसदों ने मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ ले ली। प्रधानमंत्री मोदी की मंत्री परिषद में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्री शामिल किए गए हैं। सभी सहयोगी दलों को साधने के प्रयास में जनता दल युनाइटेड, जनता दल सेक्यूलर, तेलुगू देशम पार्टी, शिवसेना (शिंदे गुट), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक दल, हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा (हम), द रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया को मिलाकर कुल 11 मंत्री भी इसमें शामिल हैं। यही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश के कद्दावर नेताओं में शुमार होने वाले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी समेत बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को भी कैबिनेट में शामिल कर बहुत हद तक नाराजगी को दूर करने का काम भी किया गया है। इसके बाद भी अब मन की बात सुनाने के साथ ही दूसरों के मन की बात को भांपने जैसी चुनौती भी इस सरकार पर रहने वाली है। यह तो रही आईने के सामने दिख रही तस्वीर, अब थोड़ा छुपी हुई तस्वीर पर नजर डालें, जिसमें समस्याएं ही समस्याएं नजर आती हैं। सबसे बड़ी किसान समस्या है, जिसे लेकर देश में लगातार आंदोलन हो रहे हैं। किसान आंदोलन ने चुनाव पहले जो माहौल बनाया, उससे भी मोदी सरकार की छवि बिगड़ी, जिसका असर चुनाव परिणाम में भी देखने को मिला है। संभवत- यही वजह रही कि प्रधानमंत्री कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले किसानों की फाइल पर ही हस्ताक्षर किए, ताकि देश के अन्नदाताओं तक संदेश जा सके कि वो किसानों की खुशहाली के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं। किसान किन शर्तों पर मानेंगे और किस बात पर रुठेंगे यह अलग बात है। यहां दूसरी सबसे बड़ी समस्या जो पिछले कार्यकाल में भी परेशानी का सबब बनी रही, वह आर्थिक भ्रष्टाचार है। इसके तहत अमीर और अमीर हो रहे हैं, जबकि गरीब और गरीब होता चला गया है। आर्थिक अपराध करके जिन्हें विदेश जाना था वो तो चले गए, लेकिन देश में ऐसे लोगों पर जांच एजेंसियों ने शिकंजा कसा जिनका संबंध कहीं न कहीं विपक्षी खेमे से रहा। जिन्होंने समझदारी दिखाते हुए समय पर पार्टी बदल ली वो जांच एजेंसियों के चंगुल से बच रहे। ऐसे में संदेश यही गया कि मोदी सरकार अपने विरोधियों को किसी भी कीमत पर जेल भेजना चाहती है और वह देश की तमाम जांच एजेंसियों समेत सुरक्षा और न्याय प्रणाली को अपने हिसाब से चलाने का प्रयास कर रही है। इसके बाद लगातार सरकार पर हमले होते रहे, लेकिन चूंकि सरकार पूर्ण बहुमत वाली थी, अत- उसके कान पर जूं तक न रेंगी। विरोधी स्वर की परवाह किए बगैर मोदी सरकार वो तमाम फैसले लेती रही, जिसका खामियाजा लोकसभा चुनाव के परिणामों में देखने को मिला है। यही नहीं बल्कि हिंदू-मुसलमान, सिख-ईसाई जैसे धार्मिक मसलों से भी मोदी सरकार की छवि आहत हुई। पहले मंदिर निर्माण का श्रेय लेने जैसा उपक्रम, फिर मस्जिद, मदरसों, चर्च, मठ और अल्पसंख्यक वर्ग के स्कूलों पर कथित तौर पर शिकंजा कसने के मामले ने तूल पकड़ा और हालात कई दफा बेकाबू भी होते दिखे। आतंकवाद और कश्मीर मसला जिसे एक झटके में समाप्त करने का खेल-खेला गया, वह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर हंगामा करता दिखा है। जहां तक आतंकवाद की समाप्ति की बात है तो वह आज भी कश्मीर घाटी में सिर उठाए हुए है और मासूम लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है। ये तमाम मसले ऐसे हैं, जिन से इस बार भी मोदी सरकार को दो-चार होना पड़ेगा। इनसे अतिरिक्त गठबंधन सरकार में मौजूद दलों के मिजाज से सरकार चलाना और उनकी ख्वाहिशों का ध्यान रखना इन तमाम बड़ी समस्याओं से कहीं ज्यादा कठिन और घातक समस्या है। नीतीश कब पलट जाएं कोई भरोसा नहीं, जैसे जुमले यूं ही आसमान में नहीं उछल रहे हैं। इसके दूरगामी परिणाम देखने को जरुर मिलेंगे। इसलिए मोदी सरकार की कोशिश होगी कि वह येन-केन-प्रकारेण लोकसभा के जादुई आंकड़े को पाने में कोई कसर बाकी न रखे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक्सिसकेड्स टेक्नोलॉजीज भारतीय सेना को ड्रोन प्रणाली उपलब्ध कराएगी

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग समाधान प्रदाता एक्सिसकेड्स टेक्नोलॉजीज ने सोमवार को कहा कि वह भारतीय सेना को ड्रोन प्रणाली उपलब्ध कराएगी। कंपनी के अनुसार मैन पोर्टेबल काउंटर ड्रोन सिस्टम (एमपीसीडीएस) को एक्सिसकेड्स द्वारा विकसित किया गया है। बयान में कहा गया` कि एक्सिसकेड्स टेक्नोलॉजीज ने भारतीय सेना से मिले 100 करोड़ रुपये के ठेके के तहत उन्नत काउंटर-ड्रोन प्रणालियों की आपूर्ति शुरू कर दी है। कंपनी ने बिना कोई अतिरिक्त जानकारी दिए कहा कि उसका लक्ष्य 2024 के अंत तक पूरी आपूर्ति करने का है। एक्सिसकेड्स के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि यह भारतीय रक्षा बलों में मैन पोर्टेबल श्रेणी में शामिल किया जाने वाला पहला काउंटर ड्रोन सिस्टम है। इसको भारतीय सेना द्वारा कई स्थानों पर तैनात किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य अपने सशस्त्र बलों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार करना और उन्नत सुरक्षा समाधान प्रदान करना जारी रखना है।

नंदन डेनिम के शेयर ने पिछले 5 दिन में 18 फीसदी रिटर्न दिया

नई दिल्ली । नंदन डेनिम के शेयर ने पिछले 5 दिन में निवेशकों को 18 फीसदी का रिटर्न दिया है जबकि पिछले 1 महीने में 23 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले 6 महीने में नंदन डेनिम के शेयर 22 फ़ीसदी से अधिक का रिटर्न दे चुके हैं। पिछले 1 साल में नंदन डेनिम के शेयरों ने 19.50 रुपए के लेवल से 140 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया है। नंदन डेनिम के शेयर 14 जून 2019 को 13.78 रुपए के निचले स्तर पर थे जहां से निवेशकों को 236 फीसदी का बंपर रिटर्न मिल चुका है। नंदन डेनिम लिमिटेड ने कुछ दिन पहले ही पिछले वित वर्ष की मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए थे जिसमें उसका मुनाफा 8000 फीसदी बढ़ गया था। नन्दन डेनिम के बोर्ड आफ डायरेक्टर्स ने स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है जिसके बाद इसके शेयर लगातार नई ऊंचाई छू रहे हैं। सोमवार 17 जून को नंदन डेनिम लिमिटेड के बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक होने वाली है जिसमें शेयरों के सबडिवीजन या स्प्लिट पर चर्चा की जाएगी।

यूपीआई डाउन की वजह एनपीसीआई नहीं, नेटवर्किंग लिंक्स भी है: आरबीआई

नई दिल्ली । पिछले कुछ दिनों से यूपीआई पेमेंट भुगतान में समस्या की शिकायतें सामने आ रही हैं। भुगतान फेल होने के बाद कई लोग लगातार सोशल मीडिया पर अपने अनुभव शेयर कर रहे हैं। एनपीसीआई के आंकड़े कहते हैं कि प्रतिदिन 450 मिलियन से अधिक यूपीआई लेन-देन हो रहे हैं, और मई 2024 में, बैंकों ने 31 बार डाउनटाइम का अनुभव किया। इसके कारण पेमेंट गेटवे 47 घंटे से अधिक समय के लिए ऑफ़लाइन रहे। इसको लेकर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि इसमें नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) का कसूर नहीं है। ऐसा बैंकों द्वारा इस्तेमाल की जा रही पुरानी टेक्नोलॉजी की वजह से हो रहा है। आरबीआई की पॉलिसी मीटिंग की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि यूपीआई पेमेंट में डाउनटाइम की वजह एनपीसीआई या उसका इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है, इसके बजाय, बैंक की तरफ से ये दिक्कत हो रही है, जिसमें नेटवर्किंग लिंक्स भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस इशू को उठाया गया है और इसके समाधान भी होंगे। डिजिटल पेमेंट्स फेल हो रहे हैं, जिससे बैंकिंग ग्राहकों को वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से, 4 जून को कई निवेशक बाजार में गिरावट के दौरान लेन-देन करने में असमर्थ रहे, जिसके परिणामस्वरूप फाइनेंशियल अवसरों का नुकसान हुआ। रेगुलेट की गई संस्थाओं को सभी सिस्टम आउटेज की रिपोर्ट देनी होती है, चाहे वे निर्धारित हों या एकाएक आई हुईं। आरबीआई इन घटनाओं को कम से कम करने का प्रयास कर रहा है।

सुजलॉन एनर्जी ने कहा- कंपनी में कोई वित्तीय अनियमितता नहीं हुई

नई दिल्ली ।

अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन एनर्जी ने सोमवार को कहा कि स्वतंत्र निदेशक मार्क डेसेडेलेर के इस्तीफे के बाद संगठन में कोई वित्तीय अनियमितता या अनुपालन उल्लंघन नहीं हुआ है। बीएसई को दी जानकारी के अनुसार मार्क डेसेडेलेर ने हाल ही में इस्तीफा दे दिया। आठ जून 2024 को दिए जाने वाले अपने इस्तीफे में कंपनी के भीतर कॉर्पोरेट प्रशासन के मुद्दों को उठाया। मार्क डेसेडेलेर ने अपने इस्तीफे में कहा` कि मैं पिछले 18 महीने में कंपनी द्वारा दर्ज किए गए परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।

हालांकि इसी अवधि में और हाल ही में, कई ऐसी स्थितियां आईं जहां कंपनी द्वारा लागू किए गए कॉर्पोरेट प्रशासन के मानक मेरी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। इनमें ऐसी स्थितियां भी शामिल हैं, जहां संचार में खुलेपन व पारदर्शिता का अभाव था जिनकी जानकारी में चाहता था।

उन्होंने कहा कि हमने इनमें से कई स्थितियों पर चर्चा की कुछ को निदेशक मंडल के सदस्यों के साथ साझा किया गया और मैंने हाल ही में आपको इन स्थितियों को लेकर एक पत्र भेजा है।

इस उम्मीद के साथ कि इस जानकारी का उपयोग सही तरीके से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर मैंने कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपने पद और सभी संबद्ध समिति सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला किया। सुजलॉन एनर्जी ने कहा कि कंपनी स्पष्ट रूप से दोहराती है कि संगठन के भीतर कोई वित्तीय अनियमितता या अनुपालन उल्लंघन नहीं है। हम पिछले वर्षों में कंपनी के लिए डेसेडेलेर के योगदान की सराहना करते हैं और आभारी हैं कि उन्होंने पिछले 18 महीनों में कंपनी के परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया था।

जेएसडब्ल्यू की राजस्थान में एक जीडब्ल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना शुरू

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने राजस्थान के फतेहगढ़ में एक जीडब्ल्यूएच क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजना का निर्माण शुरू कर दिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी को हाल ही में सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) से इस परियोजना का ठेका मिला था। इस परियोजना में दो प्रतिष्ठान हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 500 मेगावाट (एच) है। परियोजना को बिल्ड ओन ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओओटी) तंत्र के तहत विकसित किया जाएगा और 12 साल बाद इसे 'ऑफटेकर' को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि उसका लक्ष्य जून 2025 तक इस परियोजना को चालू करना है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमारी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजना ग्रिड स्थिरता को बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करने में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत.....जल्द बनेगा दुनिया तीसरी अर्थव्यवस्था: सीआईआई

नई दिल्ली ।

कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक गति जारी रहेगी और यह दुनिया के शीर्ष तीन देशों में जल्द शामिल होगा। सीआईआई के प्रेसिडेंट संजीव पुरी ने कहा, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के लिए उन्हें बधाई हैं। पुरी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 8.2 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। उनके नेतृत्व में अगले चरण के सुधारों के जरिए भारत वैश्विक अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकता है। साथ ही बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव काफी मजबूत है। माना जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था जल्द जापान को पछाड़ कर दुनिया की चौथी-सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी। मोदी सरकार की ओर से भी हाल ही में कहा गया था कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2027 में जापान और जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए बड़ा पल है और भारतीय उद्योग नई सरकार के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है। इससे देश का तेजी से विकास होगा। सीआईआई के डायरेक्टर जनरल चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास का सुनहरा अध्याय शुरू होगा। बनर्जी ने कहा कि सीआईआई अगले चरण के सुधारों पर सभी पक्षकारों की सहमति बनाने के लिए अपनी पहल तेज करेगा। साथ ही कहा कि हम नई सरकार के साथ भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड को अनलॉक करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्रों में काम करने को तैयार है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 203, निफ़्टी 30 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी शेयरों के साथ ही एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 203.28 अंक करीब 0.27 फीसदी नीचे आकर 76,490.08 पर बंद हुआ। दिन के दौरान सेंसेक्स 385.68 अंक करीब 0.50 फीसदी बढ़कर 77,079.04 के शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 30.95 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी टूटकर 23,259.20 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार यह 121.75 अंक या 0.52 फीसदी ऊपर आकर 23,411.90 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, विप्रो, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, नेस्ले, एनटीपीसी, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक के शेयर लाभ के साथ ही बढ़े। सेक्टर के हिसाब से देखें तो पीएसयू बैंक, फार्मा, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटी सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स थे। आईटी, फिन सर्विस, मेटल और ऑयल एंड गैस लाल निशान में थे। बाजार में गिरावट लार्जकैप तक ही सीमित थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 41 अंक या 0.08 फीसदी बढ़कर 53,235 अंक और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 259 अंक या 1.51 फीसदी बढ़कर 17,475 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर लाल निशान में बंद हुए। टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, विप्रो, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक और टीसीएस टॉप लूजर्स थे। अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले, एनटीपीसी, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक टॉप गेनर्स थे।

जानकारों का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार के पास बढ़ने के लिए अभी कुछ नहीं है। नई सरकार बन गयी है और स्थिर भी है। ऐसे में लगता है कि कुछ दिनों तक बाजार एक सीमित दायरे में ही कारोबार कर सकता है। अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दर में कमी को लेकर दिए गए बयान पर आने वाले समय में बाजार की चाल निर्भर करेगी। अन्य बाजारों की बात करें तो एशिया का बाजार जापान का निक्की लाभ पर बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरियाई कॉस्पी में गिरावट रही। चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग छुट्टियों के कारण बंद रहे जबकि यूरोपीय बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार शुरूआती कारोबार में सार्वजे निक उच्च स्तर पर पहुंच गया। निवेशकों ने घरेलू मामलों पर ध्यान केंद्रित किया और नई सरकार से स्थिरता की उम्मीद के साथ बाजार के सेंटीमेंट को समर्थन मिला। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स उछाल के साथ 76,935.41 पर खुला और खुलते ही 77 हजार के स्तर को पार करते हुए 77,079.04 तक चला गया। सेंसेक्स लगातार चौथे दिन तेजी के साथ पहली बार 77,000 अंक के पार पहुंच गया। दूसरी तरफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 लगभग सपाट खुला और शुरुआती कारोबार में 23,411.90 अंक के सार्वजे निक उच्च स्तर तक चला गया

रिजर्व बैंक मानसून में करोड़ों लोगों को दे सकता है राहत

- ब्याज दरों में कटौती होने पर हो सकते हैं खुदरा लोन सस्ते, घट सकती है ईएमआई

नई दिल्ली ।

विश्लेषकों का कहना है कि रिजर्व बैंक मानसून में करोड़ों लोगों पर राहत की बारिश कर सकता है और 16 महीने से जारी सूखे से राहत मिल सकती है। विश्ले लेषकों का कहना है कि इस बार यह कयास हवा में नहीं लगाया जा रहा, बल्कि कई बड़ी और ठोस वजहें हैं। रिजर्व बैंक की अगली बैठक अगस्त में होने वाली है और यह कई मायनों में बेहद खास होगी। दरअसल, रिजर्व बैंक ने पिछली 8 बैठकों में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। हर बैठक 2 महीने के अंतराल पर होती है। इस लिहाज से बीते से 16 महीने से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ। रेपो रेट 6.5 फीसदी पर बरकरार है। रेपो रेट वह दर होती है, जिसके आधार पर बैंक अपने लोन की ब्याज दरें तय करते हैं। इसमें कटौती होने पर सभी तरह के खुदरा लोन भी सस्ते हो जाते हैं और ईएमआई घट जाती है। रिजर्व बैंक के हाथों को सबसे ज्यादा महंगाई ने थाम रखा है। महंगाई काबू में आते ही आरबीआई के हाथ भी खुल जाते हैं। खासकर खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर अभी 5 फीसदी से नीचे चल रही है और आने वाले समय में यह 4 फीसदी के आसपास रहने का अनुमान है। बुनियादी चीजों की महंगाई दर भी 11 महीने में 2 फीसदी नीचे आ चुकी है। आरबीआई ने 2024-25 के लिए खुदरा महंगाई की वृद्धि दर 4.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। सिर्फ महंगाई नहीं, देश की मजबूत विकास दर भी ब्याज दरों में कटौती का आधार तैयार कर रही है। वित्तवर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर 8.2 फीसदी रही है। इसके अलावा जीएसटी कलेक्शन हो या विनिर्माण क्षेत्र की ग्रोथ हर जगह तेज वृद्धि दिख रही है। भारत का सर्विस सेक्टर भी मजबूत

बना हुआ है। भारतीय मौसम विभाग ने इस बार खरीफ की फसल की पैदावार बढ़ने का अनुमान लगाया है. मौसम विभाग को भरोसा है कि इस बार मानसून अच्छा रहेगा और पैदावार अच्छी होने से ग्रामीण क्षेत्र की खपत भी बढ़ जाएगी. यही कारण है कि आरबीआई ने चालू वित्तवर्ष का विकास दर अनुमान भी 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है।

यात्री वाहन की खुदरा बिक्री मई में एक फीसदी घटी

नई दिल्ली । चुनाव, भीषण गर्मी और बाजार में नकदी की समस्या के कारण मांग प्रभावित होने से मई में घरेलू यात्री वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट आई। उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। यात्री वाहनों का पंजीकरण मई में घटकर 3,03,358 इकाई रह गया, जबकि मई 2023 में यह 3,35,123 इकाई था। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक अधिकारी ने कहा कि डीलरों ने कहा कि बेहतर आपूर्ति, कुछ लंबित बुकिंग और छूट योजनाओं के बावजूद नए मॉडल की कमी, तीव्र प्रतिस्पर्धा और मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) द्वारा खराब विपणन प्रयासों ने भी बिक्री को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण शोरूम में आने वाले ग्राहकों की संख्या में करीब 18 प्रतिशत की गिरावट आई है। मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 15,34,856 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 14,97,778 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 98,265 इकाई हो गई। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले महीने चार प्रतिशत बढ़कर 83,059 इकाई रही, जबकि मई 2023 में यह 79,807 इकाई थी। फाडा 15,000 से अधिक मोटर वाहन डीलरशिप का प्रतिनिधित्व करता है। उसने देश भर के 1,503 आरटीओ में से 1,360 से वाहन खुदरा आंकड़े एकत्र किए हैं।

सत्तू, इडली-डोसा मिक्स पर जीएसटी को लेकर कंपनी पहुंची कोर्ट

– सत्तू पर जीएसटी दर 5 है और इडली, डोसा व खमन मिक्स पर 18 फीसदी है

नई दिल्ली ।

देश में अलग-अलग खाने के उत्पादों को जीएसटी की अलग-अलग श्रेणी में रखा गया है। इसी के आधार पर जीएसटी की दरें तय की गई हैं। इस मामले में गुजरात में सत्तू और इडली, डोसा व खमन मिक्स पर जीएसटी की दरों से जुड़ा विवाद सरकारी विभाग तक पहुंच गया। दरअसल सत्तू पर जीएसटी की दर 5 फीसदी है और इडली, डोसा व खमन मिक्स पर यह दर 18 फीसदी है। इस मुद्दे पर गुजरात अग्रिम निर्णय अपीलीय प्राधिकरण (जीएएआर) ने यह फैसला सुनाया है। प्राधिकरण ने कहा कि इडली, डोसा और खमन बनाने के मिश्रण को सत्तू के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है और उन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाना चाहिए। गुजरात स्थित किचन एक्सप्रेस ओवरसीज लिमिटेड ने जीएसटी अग्रिम प्राधिकरण के फैसले के खिलाफ एएआर से संपर्क किया था। कंपनी ने कहा था कि उसके 7 इंस्टेंट आटा मिक्स तैयार भोजन नहीं है और उन्हें खाना पकाने की कुछ प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। कंपनी गोटा, खमन, दालवाड़ा, दही-वड़ा, ढोकला, इडली और डोसा के आटे के मिश्रण को पाउडर के रूप में बेचती है। जीएएआर ने अपीलकर्ता की दलील को खारिज करते हुए कहा कि इंस्टेंट आटा मिक्स बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री प्रासंगिक जीएसटी नियमों के तहत शामिल नहीं है, जैसा कि सत्तू के मामले में है। सीबीआईसी के परिपत्र के अनुसार सत्तू पर 5 प्रतिशत की दर से जीएसटी लागू है। जीएएआर ने कहा कि अपीलकर्ता के उत्पादों में मसाले और अन्य सामग्री भी शामिल हैं, जबकि सत्तू के मामले में ऐसा नहीं है।

पेटीएम ने पुनर्गठन को लेकर कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली ।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कर्मचारियों की छंटनी की है। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम का स्वामित्व है। कंपनी ने एक बयान में दावा किया कि वह कर्मचारियों के सुचारू रूप से स्थानांतरण के लिए उन्हें आउटप्लेसमेंट सहायता उपलब्ध करा रही है। हालांकि बयान में कितने कर्मचारियों की छंटनी की गई है इसकी संख्या उजागर नहीं की गई। जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में पेटीएम के कर्मचारियों (बिक्री) की संख्या तिमाही आधार पर करीब 3,500 घटकर 36,521 रह गई, जिसका मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सेवाओं पर प्रतिबंध लगाना था। कंपनी ने सोमवार को कहा` कि कंपनी के मानव संसाधन दल 30 से अधिक कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं जो वर्तमान में कर्मचारियों की भर्ती कर रही हैं। उन कर्मचारियों को सहायता प्रदान कर रही हैं जिन्होंने अपनी जानकारी साझा करने का विकल्प चुना है, जिससे उनके तत्काल दूसरी जगह भर्ती में मदद मिल रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने व्यापारियों सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से 15 मार्च से रोक दिया था। फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष

2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में पीपीबीएल में 39 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 227 करोड़ रुपये के निवेश को बट्टे खाते में डाला है।

सोने में गिरावट, चांदी हुई महंगी

- सोना 71 हजार, चांदी लगभग 89,500 हजार रुपए

नई दिल्ली । इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने के वायदा कारोबार में सुस्ती देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,500 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि चांदी के वायदा भाव में बाद में तेजी देखी जाने लगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 204 रुपये की गिरावट के साथ 71,149 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 307 रुपये की गिरावट के साथ 71,046 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 266 रुपये की तेजी के साथ 89,355 रुपये पर खुला। इस समय यह 390 रुपये की तेजी के साथ 89,479 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन चांदी के भाव बाद में चढ़ गए कॉमेक्स पर सोना 2,311 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,325 डॉलर प्रति औंस था।` फिलहाल यह 11.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,313.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.25 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.44 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 29.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

नई सरकार के गठन के अगले दिन 10 जून को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों पर निर्भर करती हैं।

क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भारत में ईंधन की कीमतों में बदलाव होता है। सोमवार को भी सभी शहरों में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। सोमवार को दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। पेट्रोल की कीमत चेन्नई में 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है। कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 103.93 रुपये का और डीजल 90.74 रुपये पर मिल रहा है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.82 रुपये और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

टी20 विश्वकप में कनाडा पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी पाकिस्तान

न्यूयार्क (एजेंसी)। पाकिस्तान की टीम अब मंगलवार को होने वाले टी20 विश्वकप के ग्रुप चरण के मुकाबले में कनाडा को किसी भी हालत में हराने के इरादे से उतरेगी। पाक टीम अगर इस मैच में हारती है तो उसके टूर्नामेंट में आगे जाने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो जाएंगी। इसलिए उसके पास अपने को मुकाबले में बनाये रखने का ये अंतिम अवसर है। उसे अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद दूसरे मैच में भारतीय टीम ने उसे छह रनों से हरा दिया। इससे पाक टीम अब बेहद कठिन हालातों में आ गयी है। ऐसे में अब उसे टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण के मैच में कनाडा के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करना करनी है। पाकिस्तान टीम अब सुपर आठ में तभी पहुंच पाएगी जब वह कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ बड़ी जीत करेगी। इसके लिए उसे उम्मीद करनी होगी कि अमेरिकी टीम भारत और आयरलैंड के खिलाफ मुकाबलों में हार जाये। इस हालत में दोनों टीमों के चार चार अंक होंगे और फैसला बेहतर नेट रन रेट से होगा। ऐसे में पाक टीम की संभावनाएं बन सकती हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम नासाउ के मैदान पर अपना दूसरा मैच खेलने उतरेगी। भारत के खिलाफ उसके पास अच्छा अवसर था पर वह छोटा सा लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। नासाउ के मैदान पर अब तक जितने भी मुकाबले में हुए हैं वह कम स्कोर वाले रहे हैं। ऐसे में गेंदबाजी के साथ-साथ पाकिस्तान को अपनी बल्लेबाजी भी बेहतर करनी होगी। कनाडा की टीम पाक के सामने कमजोर है पर इसके बाद भी उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उसने ग्रुप ए में आयरलैंड को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया है। ऐसे में जिस तरह की धीमी पिच नासाउ में है उससे यह साफ है कि कनाडा

के सामने भी पाकिस्तान की राह आसान नहीं रहेगी। ऐसे में यहां पर टॉस की भूमिका काफी अहम होगी। कनाडा की टीम भी इस मैच में अपना बेहतर प्रदर्शन देना चाहेगी।

टीम

कनाडा- साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, रविंदरपाल सिंह, नवनीत धालीवाल, कलीम सना, डिलोन हेलिगर, जेरेमी गोर्डन, निखिल दत्ता, परगट सिंह, निकोलस किरटन, रेयानखान पठान, जुनैद सिद्दीकी, दिलप्रीत बाजवा, श्रेयस मोव्वा और ऋषिव जोशी।

पाकिस्तान- बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमां, हारिस राऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का प्रयास करेंगे अमित पंघाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह अभ्यास में लगे हुए हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे। तब भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) की मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर उनकी जगह टीम में बनती नहीं दिखी। इस दौरान हो रही आलोचनाओं से भी उनका मनोबल गिरा। पंघाल ने कहा कि इस दौरान उन्होंने अपना हौंसला बनाये रखा।

ऐसे कठिन समय में कोच अनिल धनखड़ ने उनका समर्थन किया। पंघाल ने कहा, 'उस समय कुछ अच्छा नहीं लगता था क्योंकि आप खेलना चाहते हैं और आपको खेलने का अवसर नहीं मिल पा रहा था।'' पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

विराट के सामने कहीं नहीं टिकते बाबर : कनेरिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। कनेरिया ने कहा कि विराट के सामने पाक कप्तान बाबर कहीं नहीं टिकते इसलिए इन दोनो की तुलना नहीं हो सकती। कनेरिया ने ये बात इसलिए कहीं क्योंकि समय-समय पर कई पूर्व पाक क्रिकेटरों ने आजम को एक बेहतरीन बल्लेबाज बताते हुए उनकी तुलना विराट से की है। विराट और बाबर के बीच कौन बेहतर है, इसको लेकर समय-समय पर बहस भी हुई है। कनेरिया ने कहा, जैसे ही बाबर किसी मैच में शतक लगाते हैं, अगले दिन विराट से उनकी तुलना शुरू हो जाती है पर वह उनके सामने कहीं नहीं टिकते।

इस पूर्व स्पिनर ने साथ ही कहा, अमेरिका के गेंदबाजों के आगे बाबर बेबस नजर आये। वह एक नई टीम के गेंदबाजों को खेलने में भी संघर्ष करते दिखे जबकि उन्हें उस मैच में काफी रन बनाने चाहिये थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में पाक टीम के बल्लेबाज ही नहीं गेंदबाज भी विफल रहे थे। इससे साफ है कि टीम कितनी खराब स्थिति में हैं। इस मैच में पाक गेंदबाज हारिस रऊफ पर गेंद से छेड़छाड़ का आरोप भी लगे थे। ये आरोप अमेरिकी टीम के गेंदबाज रस्टी थेरोन ने लगाये थे। उनका कहना था कि रऊफ ने गेंद में नाखून लगाये थे। पाक टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने भी अमेरिका के खिलाफ मैच में खराब प्रदर्शन के लिए टीम की आलोचना करते हुए कहा था कि उसने अंतिम गेंद तक संघर्ष नहीं किया।

पंत और गेंदबाजों ने भारत को पाकिस्तान पर छह रन की जीत दिलाई

न्यूयार्क (एजेंसी)। ऋषभ पंत की जुझारू पारी के बाद जसप्रीत बुमराह की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के वर्षा से प्रभावित कम स्कोर वाले मैच में रविवार को यहां जोरदार वापसी करते हुए पाकिस्तान को छह रन से हराया।

भारत के मात्र 120 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम जसप्रीत बुमराह (14 रन पर तीन विकेट) और हार्दिक पंड्या (24 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सात विकेट पर 113 रन ही बना सकी। अक्षर पटेल (11 रन पर एक विकेट) और अर्शदीप सिंह (31 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। मोहम्मद सिराज ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 19 रन दिए लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद रिजवान (31) शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा हालांकि कोई बल्लेबाज 15 रन के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम एक समय 14 ओवर में तीन विकेट पर 80 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन इसके बाद गेंदबाजों ने वापसी करते हुए भारत को जीत दिला दी।

भारत इससे पहले नसीम शाह (21 रन पर तीन विकेट) और हारिस राउफ (21 रन पर तीन विकेट)

की धारदार गेंदबाजी के सामने 19 ओवर में 119 रन पर सिमट गया। मोहम्मद आमिर ने 23 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि शाहीन शाह अफरीदी (29 रन पर एक विकेट) ने एक विकेट चटकाया। भारत की ओर से पंत ने 31 गेंद में छह चौकों की मदद से सर्वाधिक 42 रन बनाए। उनके अलावा अक्षर पटेल (20) और कप्तान रोहित शर्मा (13) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। भारत ने अंतिम सात विकेट सिर्फ 30 रन जोड़कर गंवाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान ने सतर्क शुरुआत की और पावर प्ले में एक विकेट पर 35 रन बनाए। कप्तान बाबर आजम ने सिराज पर पारी का पहला चौका जड़ा। मोहम्मद रिजवान सात रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब जसप्रीत बुमराह की गेंद पर शिवम दुबे ने फाइन लेग पर उनका बेहद आसान कैच टपका दिया। मोहम्मद सिराज ने भी अगले ओवर में अपनी ही गेंद पर बाबर का कैच टपकाया। बाबर (13) ने बुमराह पर चौका मारा लेकिन अगली गेंद पर स्लिप में सूर्यकुमार यादव को कैच दे बैठे।

आईपीएल से बाहर रहने का लाभ मिल रहा : जंपा

ब्रिजटाउन। ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्पिनर एडम जंपा ने कहा है इस साल आईपीएल नहीं खेलने का उनका फैसला सही रहा, इसका लाभ अब उन्हें मिल रहा है। जंपा का मानना है कि इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिए भी पर्याप्त समय मिला। इसके साथ ही उनकी फिटनेस भी बेहतर हुई। जिससे वह अब तक विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। जंपा का मानना है कि आईपीएल से बाहर रहने के कारण ही वह अपने परिवार के साथ समय बिता पाये हैं। जम्पा ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबल में अच्छी गेंदबाजी की थी। जम्पा ने कहा, 'निश्चित तौर पर विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आईपीएल से हटने का मेरा फैसला पूरी तरह से सही रहा। आईपीएल से पहले मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था तथा मैं पूरी तरह से फिट भी नहीं था। इसके अलावा मैं परिवार के साथ समय बिताना चाहता था। मेरा मानना है कि परिवार को काम से अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा, 'खेल में मैं थोड़ा धीमी शुरुआत करने वाला व्यक्ति हूं और इस कारण मुझे थोड़ी अधिक मेहनत करनी होती है पर अब मैं अब पूरी तरह से फिट हूं और आराम से गेंदबाजी कर रहा हूं।

पाकिस्तान क्रिकेटर खुद ही अपने दुश्मन, वसीम अकरम ने लगाई पाक क्रिकेटरों की क्लास

खेल डैस्क। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को अच्छी स्थिति में होने के बावजूद भारत से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। महज 120 रन का पीछा कर रही पाकिस्तान एक समय तीन विकेट गंवाकर 80 रन बना चुकी थी लेकिन इसके बाद टीम स्कोर

बनाने के लिए संघर्ष करने लगी। पाकिस्तान की हार से पूर्व क्रिकेटर वसीम खुद खफा दिखे। उन्होंने मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेटरों की खूब क्लास लगाई। नवजोत सिंह सिद्धू के साथ बातचीत के दौरान अकरम ने कहा कि पाकिस्तान टीम को दुश्मन की जरूरत नहीं है। यह खुद ही बहुत हैं। क्या हम इनको बताएंगे कि कैसे खेलना है। बाबर बताएगा। कोच बताएगा। पिछले 8 से 10 से खेल रहे हैं यह बल्लेबाज। क्या उन्हें सिखाना पड़ेगा कि ऐसे खेलते हैं। रिजवान को खेल के प्रति कोई जागरूकता नहीं है। उन्हें पता होना चाहिए था कि बुमराह को विकेट लेने के लिए गेंद दी गई थी और समझदारी यही होगी कि उनकी गेंदों को सावधानी से खेला जाए। लेकिन रिजवान बड़ा शॉट खेलने गए और अपना विकेट गंवा बैठे। अपने 10 ओवरों के बाद चौका ही कोई नहीं मारा। कोशिश भी नहीं की। तो 120 भी चेस नहीं हुआ।

पाकिस्तान 15 ओवर के बाद रणनीति से भटक गया, खिलाड़ी दबाव में आ गए : कोच गैरी कर्स्टन

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पाकिस्तान के नवनियुक्त मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने कहा कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में उनके बल्लेबाज 15 ओवर के बाद रणनीति के अनुसार नहीं चल पाए और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के कारण दबाव में आ गए। अमेरिका और भारत से हार के बाद पाकिस्तान पर ग्रुप चरण से ही बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। भारत के खिलाफ रविवार को खेले गए मैच में 120 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 15वें ओवर में उसका स्कोर 4 विकेट पर 84 रन था लेकिन आखिर में उसकी टीम 7 विकेट पर 113 रन ही बना पाई।

कर्स्टन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,'' मेरा मानना है कि इस तरह की पिच पर स्ट्राइक रोटेट करना बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसलिए मैं आपसे सहमत हूं कि कभी इस तरह के मैच को देखना मजेदार होता है जिसमें केवल बाउंड्री ही मायने नहीं रखती।'' उन्होंने कहा,'''लेकिन आपको 120 गेंद का वास्तव में अच्छी तरह से उपयोग करना होता है। हमने पहले 15 ओवर तक ऐसा किया लेकिन उसके बाद अपनी रणनीति से भटक गए। हमने बहुत अधिक विकेट गंवा दिए।'' कर्स्टन ने कहा,''बल्लेबाजी इकाई के रूप में आपको बहुत अधिक विकेट गंवाने से बचना चाहिए लेकिन हम ऐसा नहीं कर पाए। जब इस तरह का मौका आता है तो खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।''

पाकिस्तान के बल्लेबाज 59 गेंद पर रन नहीं बना पाए। उसे भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। उन्होंने चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लिए। पाकिस्तान के लिए अब आगे के मैच करो या मरो जैसे बन गए हैं। भारत की 2011 की वनडे विश्व कप विजेता टीम के कोच रहे कर्स्टन ने कहा,''यह सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं और जानते हैं कि जब वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो उन पर दबाव आ जाएगा।''

कर्स्टन ने हालांकि अपने गेंदबाजों की प्रशंसा की जिन्होंने भारत को अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने दिया। उन्होंने कहा,''अगर आप 10 से 20 ओवर के बीच के रिकॉर्ड पर गौर करो तो हमारा प्रदर्शन शानदार रहा है। हमारे पास बहुत अच्छे तेज गेंदबाज हैं और इमाद वसीम ने भी आज वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। हमारे पास काफी अच्छे विकल्प हैं और अगर हम इसी तरह से गेंदबाजी करते रहे तो हमारे खिलाफ बल्लेबाजी करना मुश्किल होगा।

पूर्व कप्तान सलीम मलिक ने इमाद वसीम पर जानबूझकर गेंदें बर्बाद करने का आरोप लगाया

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलीम मलिक ने इमाद वसीम पर भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में जानबूझकर गेंदें बर्बाद करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान की टीम न्यूयॉर्क में रविवार को खेले गए मैच में 120 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट पर 113 रन ही बना पाई। इस बीच उसने 59 गेंद पर कोई रन नहीं बनाया। भारत ने यह मैच छह रन से जीता। वसीम ने 23 गेंद पर 15 रन बनाए। मलिक ने कहा,''आप उसकी (वसीम) पारी पर गौर करो तो ऐसा लगता है कि वह रन बनाने के बजाय गेंदें बर्बाद कर रहा है और लक्ष्य का पीछा करते हुए चीजों को मुश्किल बना रहा है।'' एक अन्य पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को लगता है कि पाकिस्तान की टीम में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है तथा कुछ खिलाड़ियों को कप्तान बाबर आजम से शिकायत है। अफरीदी ने कहा,'' एक कप्तान सभी को साथ लेकर चलता है। वह या तो टीम को बर्बाद करता है या उसको अच्छा बना देता है। विश्व कप को समाप्त होने दो इसके बाद में खुलकर बात करूंगा।'' उन्होंने कहा,''शाहीन (अफरीदी) के साथ मेरा ऐसा रिश्ता है कि अगर मैं उसके बारे में बात करूंगा, तो लोग कहेंगे कि मैं अपने दामाद का पक्ष ले रहा हूं।''

कार्लोस अल्कारेज ने ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीता

पेरिस। कार्लोस अल्कारेज ने रविवार को यहां फ्रेंच ओपन पुरुष एकल फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 5 सेट तक चले कड़े मुकाबले में हराकर अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। स्पेन के तीसरे वरीय अल्कारेज ने चौथे वरीय ज्वेरेव को 6-3, 2-6, 5-7, 6-1, 6-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। ज्वेरेव के खिलाफ 10 मैच में यह अल्कारेज की 5वीं जीत है। 21 साल के अल्कारेज अपने देश के दिग्गज रफेल नडाल को रोलां गैरो पर 14 ट्रॉफी जीतते हुए देखते हुए बड़े हुए हैं और अब वह नडाल को पछाड़कर तीन सतहों पर मेजर चैंपियनशिप जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। जब नडाल ने यह कारनामा किया था तब उनकी उम्र अल्कारेज से लगभग डेढ़ साल अधिक थी। यह 2004 के बाद पहला फ्रेंच ओपन फाइनल है जिसमें नडाल, नोवाक जोकोविच या रोजर फेडरर नहीं खेल रहे थे। खिताबी मुकाबले के दौरान तीन सेट के बाद अल्कारेज 1-2 से पीछे चल रहे थे लेकिन अंतिम दो सेट आसानी से जीतकर तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने में सफल रहे। इससे पहले अल्कारेज 2022 में हार्ट कोर्ट पर अमेरिकी ओपन और 2023 में ग्रास कोर्ट पर विंबलडन खिताब जीत चुके हैं।

साल पहले करियर खत्म होने के बारे में पूछते थे और अब सर्वश्रेष्ठ कहते हैं : बुमराह

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दुर्लभ नगीनों में शुमार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कहना है कि उन्हें यह बात बड़ी हास्यास्पद लगती है कि एक साल पहले तक लोग उनके करियर के खत्म होने की बातें कर रहे थे और अब उन्हें सर्वश्रेष्ठ बुलाते हैं। बुमराह ने 2022 में पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' के लिए सर्जरी करायी थी जिसके कारण वह आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाये थे।

घरेलू सरजमीं पर श्रृंखला में वापसी करने से पहले उन्हें खिंचाव आ गया जिससे वह 10 से ज्यादा महीनों के लिए क्रिकेट से बाहर हो गये। लोग उनके तीनों प्रारूपों में खेलने के कार्यभार से निपटने की काबिलियत पर सवाल उठाने लगे। लेकिन बुमराह ने पिछले एक साल में तीनों प्रारूपों में मिलाकर 67 विकेट झटककर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया जिसमें रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ कम स्कोर वाले टी20 विश्व कप मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाने वाला मैच विजयी प्रदर्शन भी शामिल है।

बुमराह ने वापसी करने की उनकी काबिलियत पर शक करने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा, 'एक साल पहले तक ये ही लोग कह रहे थे कि मैं शायद फिर दोबारा नहीं खेल पाऊंगा और मेरा करियर खत्म हो गया है। लेकिन अब यह सवाल बदल गया है।' भारत ने महज 119 रन पर सिमटने के बाद बुमराह के शानदार प्रदर्शन के बूते पाकिस्तान को सात विकेट पर 113 रन के स्कोर पर रोक दिया।

बुमराह आलोचकों की 'अदलू बदलू' प्रकृति को बखूबी समझते हैं और जानते हैं कि उनके लिए सर्वश्रेष्ठ यही है कि वह खुद के नियंत्रण वाली चीजों पर काम करें। उन्होंने कहा, 'मैं मैच में इस चीज पर ध्यान नहीं देता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से गेंदबाजी कर रहा हूं या नहीं, बल्कि मैं मैच में मौजूद समस्या का निदान करने की कोशिश करता हूं। मैं जानता हूं कि यह घिसा पिटा जवाब है। लेकिन मैं इसी पर फोकस करने की कोशिश कर रहा था कि इस तरह के विकेट पर यहां सर्वश्रेष्ठ विकल्प क्या है।'

बुमराह ने कहा, 'मैं शॉट लगाना कितना मुश्किल बना देता हूं? मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प क्या हैं? इस तरह मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं कि और मुझे क्या करना है, इस पर फोकस करता हूं।% इस तरह के भावनाओं से भरे बड़े मुकाबले में बाहर का शोर दबाव बना सकता है लेकिन बुमराह इन सब की अनदेखी कर इससे निपटने में सफल रहते हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं बाहर का शोर देखूंगा, लोगों को देखूंगा तो दबाव और भावनाएं हावी हो जाएंगी। फिर मेरे लिए चीजें काम नहीं करेंगी।'

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 17 पिछले महीने ही खत्म हुआ है और टी20 विश्व कप खेलने आई भारतीय गेंदबाजी इकाई इसके कारण थकी नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा, 'आईपीएल हालांकि गेंदबाजों के मुफीद नहीं था लेकिन हम खुश हैं कि हम थकान के साथ यहां नहीं आये हैं और हमें जब भी यहां मदद मिल रही है तो हम इसका इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं।''

कम स्कोर वाले मैचों में अकसर तेज गेंदबाज अलग तरह की गेंद जैसे यॉर्कर या बाउंसर आजमाने की कोशिश करते हैं लेकिन बुमराह का कहना है कि किसी को भी इनकी

अति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हम जादुई गेंद डालने के लिए बेताब होने की कोशिश करेंगे तो रन बनाना आसान हो जायेगा और कम स्कोर को देखते हुए हमें परिस्थितियों देखकर इनकी अति नहीं करनी चाहिए।'

बुमराह ने कहा, 'जब भी मदद मिलती है तो आप अति उत्साही हो सकते हो। आप बल्लेबाज को लुभाने के लिए बाउंसर, आउट स्विंगर, इन स्विंगर डाल सकते हो। लेकिन आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। मैंने यही सीखा है।' उन्होंने कहा, 'इस मैच में ऐसा ज्यादा नहीं हो रहा था। हमने दबाव जरूर बनाया था। थोड़ा 'लेटरल मूवमेंट' था लेकिन पिछले मैच की तरह इतना ज्यादा नहीं था।'

नौकायन में भारत को नेत्रा से रहेंगी उम्मीदें

नई दिल्ली। भारत की नेत्रा कुमानन ने नौकायन में आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नेत्रा ने फ्रांस में हुए अंतिम क्वालीफायर मुकाबले में भारत की ओर से दूसरा पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया। नेत्रा ने महिलाओं की डिंघी (आईएलसीए 6) में भाग लेते हुए 'एमर्जिंग नेशन्स प्रोग्राम' के तहत ही ये कोटा हासिल किया। नेत्रा इस रेस में 67 नेट अंक हासिल कर पांचवां स्थान पाया। उसे नौकाचालकों में शीर्ष पर आने के कारण ही ओलंपिक कोटा मिला है। खेल की संचालन संस्था वर्ल्ड सेलिंग एमर्जिंग नेशन्स प्रोग्राम के तहत उन देशों के नाविकों की की सहायता करती है जो ये खेल ज्यादा नहीं खेलते हैं। महिलाओं की डिंघी में शीर्ष तीन खिलाड़ियों रोमानिया की एब्रू बोलाट ने 36 नेट अंक, साइप्रस की मारिलेना माक्री ने 37 नेट अंक और स्लोवेनिया की लिन प्लेटिकोस ने 54 नेट अंक हासिल कर सबसे पहले ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्मी के मौसम में ऑफिस के लिए बेस्ट रहेंगे ये सलवार-सूट

स्टाइलिश दिखने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से ही सूट के डिजाइन को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी के लुक्स को री-क्रिएट करें।

सलवार-सूट पहनना हम सभी को पसंद होता है। वहीं इसमें आपको कई तरह के डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। बदलते फैशन के दौर में आपको और खासकर गर्मी के मौसम में हम स्किन फ्रेंडली फैब्रिक और डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं।ज्यादातर ऑफिस जाने के लिए हम सिंपल और मिनिमल डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं ऑफिस में पहनने के लिए सलवार-सूट के कुछ खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन लुक्स को आकर्षक बनाने के कुछ आसान टिप्स

ए-लाइन सूट

खासकर प्लस साइज इस तरह की स्ट्रैट फिटिंग वाले सलवार-सूट को पहनना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए यह आपकी बॉडी को फ्लेयर के साथ परफेक्ट और स्लिम लुक देने में सहायता करते हैं। बदलते दौर में इस तरह में आजकल घुटने तक और फ्लोर लेंथ सूट को पसंद किया जा रहा है।

लूज डिजाइन सूट

आजकल पाकिस्तानी स्टाइल लूज डिजाइन के सलवार-कमीज काफी चलन में हैं। इसमें आपको धोती व एंकल लेंथ वाली पैन्ट्स के साथ में कई डिजाइन के सूट देखने को मिल जाएंगे। आजकल की बात करें तो इसमें आलिया कट और नायरा कट सूट के डिजाइन को काफी पसंद किया जा रहा है।

अंगरखा डिजाइन सूट

फैंसी लुक पाना चाहती हैं तो इस तरह के फ्रंट डोरी यानी अंगरखा डिजाइन के सूट को वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आजकल फ्लोर टच लेंथ को काफी ज्यादा सराहा जा रहा है। वहीं डोरी को हैवी और फैंसी लुक देने के लिए आप इसमें लटकन भी लगवा सकती हैं।

बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटाने के लिए कर सकते हैं इन तरीकों का इस्तेमाल

AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफिकेशन करके, माइक्रो-एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है। इससे बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटा सकते हैं।

बैंक से जुड़े किसी भी काम कराने के लिए कई बार हमें लंबी लाइनों में लगना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, बिना लाइन में खड़े हुए भी आप बैंक से जुड़े किसी भी काम को सिर्फ आधार कार्ड के जरिए कर सकते हैं।

आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम = बैंकों की लंबी लाइन से मिलेगी आजादी

नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू किया गया आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों में खास तौर से फायदेमंद है, जहां बैंक शाखाएं कम हैं और लोगों को बुनियादी बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी लाइन खड़ी करनी पड़ती हैं। यह एक डिजिटल लेन-देन प्रणाली है, जो आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करके वित्तीय लेन-देन की सुविधा देती है। AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफ़िकेशन करके, माइक्रो एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है।

AePS क्या है?

AePS एक बैंक-आधारित मॉडल है, जो आधार कार्ड और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का इस्तेमाल करके कस्टमर को अलग-अलग बैंकिंग लेनदेन करने की सुविधा देता है। इसका मतलब है कि आपको बैंक शाखा में जाने या एटीएम का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। आप किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाकर लेनदेन कर सकते हैं।

AePS की खासियत

- यह आधार कार्डधारकों को आसानी से लेनदेन शुरू करने और खत्म करने की सुविधा देता है।
- यह बैंकों को अपने शाखा नेटवर्क से बाहर के ग्राहकों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में मदद करता है।
- यह वंचित क्षेत्रों में बुनियादी बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में मददगार है।
- यह सरकारी हकदारियों, जैसे कि मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और विकलांग वृद्धावस्था पेंशन का वितरण भी करता है।

इस्तेमाल कैसे करें

- AePS का इस्तेमाल करने के लिए, सबसे पहले अपने बैंक खाते को आधार नंबर से लिंक करें। फिर, अपने बैंक से संपर्क करके बताएं कि आप AePS का इस्तेमाल करना चाहते हैं। भुगतानकर्ता या लाभार्थी के पास AePS होना जरूरी नहीं है।
- किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाएं। अपना आधार कार्ड दर्ज करें। अपनी बायोमेट्रिक जानकारी (आमतौर पर फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन) प्रदान करें। लेनदेन का प्रकार चुनें (जैसे नकद निकासी, फंड ट्रांसफर)। जरूरी जानकारी दर्ज करें (जैसे राशि, प्राप्तकर्ता का अकाउंट नंबर)। लेनदेन की पुष्टि करें।

क्या है के लाभ

- आधार कार्ड धारक अपने आधार-सक्षम बैंक खाते तक पहुंच सकते हैं।
- शेष राशि की जांच की जा सकती है।
- नकद निकासी की जा सकती है।
- पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं।
- जमा किए जा सकते हैं।
- विदेश में पैसा भेजा जा सकता है।
- बैंक से जुड़े दूसरे काम किए जा सकते हैं।
- किसी भी बैंक के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के जरिए पीओएस (माइक्रो एटीएम) पर ऑनलाइन लेन-देन किए जा सकते हैं।
- कैशलेस भुगतान और पैसे के लेनदेन को बढ़ावा मिलता है।
- AePS भारत में वित्तीय दर को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान कर रहा है और उन्हें बैंक शाखाओं पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद कर रहा है। इसके जरिए, आधार ऑथेंटिकेशन के जरिए पेमेंट किया जा सकता है।

AePS के जरिए ये काम किए जा सकते हैं

नकद जमा, नकद निकासी, बैलेंस पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट, आधार से आधार फंड ट्रांसफर।

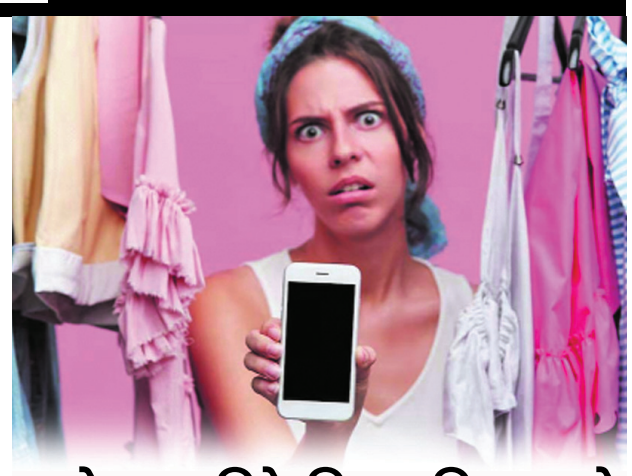

प्रोडक्ट डिफेक्टिव निकलने पर भी हो सकता है स्कैम इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ने के साथ-साथ, खराब प्रोडक्ट या गलत प्रोडक्ट मिलने पर रिफंड या रिप्लेसमेंट के नाम पर स्कैम होने का खतरा भी बढ़ गया है। इन बातों का ध्यान रखें।

अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग के बाद डिलिवर हुए डिफेक्टिव प्रोडक्ट का कंपनी के कस्टमर केयर से कंप्लेंट कर के सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। या फिर सोशल मीडिया पर कंपनी को टैग कर के स्टोरी लगाते हैं, तो सावधान हो जाइए, आपके साथ स्कैम हो सकता है। असल में जब कोई कस्टमर सोशल मीडिया पर ऐसी कोई पोस्ट करता है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर के आपके साथ धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में तेजी से बढ़ोतरी के साथ, फ्रॉड के मामले भी बढ़ रहे हैं। प्रोडक्ट डिफेक्टिव यानी फॉल्टी प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर भी स्कैम हो रहे हैं, इसके लिए स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। ये स्कैमर्स, फेक ब्रांड कस्टमर बनकर लोगों से बात करते हैं। फिर, ग्राहक को प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर मैसेज पर लिंक भेजते हैं। इस लिंक में ग्राहक से बैंक डिटेल्स भरवाई जाती हैं और फिर अकाउंट खाली कर दिया जाता है।

रिफंड और रिकवरी घोटालों से बचने के लिए, इन बातों का ध्यान रखें -

गाइडलाइन के मुताबिक कभी भी बैंक ट्रांजैक्शन की डिटेल सोशल मीडिया पर नहीं डालनी चाहिए। इसके अलावा ब्रांड के ही कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर पर ही कंप्लेंट करें।

- अगर कंप्लेंट करने पर भी कार्रवाई न हो तो, कंज्यूमर फोरम में शिकायत करें।
- ऐसी किसी भी कार्रवाई के लिए मामले का निवारण न हो जाने तक कस्टमर और कंपनी के बीच बात रखें, गोपनीयता बनाए रखने से स्कैम होने का डर कम हो जाता है।
- अपनी खोई हुई रकम से ज्यादा रकम का रिफंड चेक न जमा करें।
- कुछ घोटालेबाज कहेंगे कि उन्होंने चेक भुनाने, बकाया राशि अपने पास रखने और बाकी रकम लौटाने में गड़बड़ी की है। इससे अक्सर घोटाला हो सकता है।
- किसी बैंक को यह पता लगाने में कई हफ्ते लग सकते हैं कि उसके द्वारा क्लीयर किया गया चेक नकली था।
- इस बीच, अगर आप घोटालेबाज को पैसे लौटाते हैं, तो बैंक आपसे वह पैसा चुकाना चाहेगा।

इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर भी स्कैम होते हैं। ऐसे में, इन बातों का ध्यान रखें

- अनचाहे मैसेज
- अर्जेंट रिक्वेस्ट
- संदिग्ध लिंक
- निजी जानकारी के लिए रिक्वेस्ट
- सोर्स को वेरीफाई करें
- पर्सनल डिटेल्स साझा करने से बचें
- सेफ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें

ऑनलाइन शॉपिंग में सुरक्षित खरीदारी

- केवल पहचानें वेबसाइटों और विक्रेताओं से खरीदारी करें।
- खरीदने से पहले उत्पाद समीक्षाएं और रेटिंग जरूर पढ़ें।
- क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय, इस बात का ध्यान रखें कि वेबसाइट HTTPS सुरक्षित है।
- अपनी निजी जानकारी शेयर करने में सावधानी बरतें, किसी भी विक्रेता के साथ अपनी बैंक अकाउंट जानकारी या अन्य जानकारी शेयर करने से पहले सावधान रहें।
- अगर कोई ऑफर या छूट बहुत अच्छी लगती है, तो कई बार यह सच नहीं भी होता है।
- अपने बैंक स्टेटमेंट और क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को नियमित तौर पर जांचें और किसी भी अनऑथराइज्ड लेनदेन की रिपोर्ट करें।

बच्चों का ब्रेन शार्प के लिए अभी से कराएं ये एक्टिविटी

फ्यूचर संवारने में मिलेगी मदद

हर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाई-लिखाई में होशियार होने के साथ-साथ उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों को फ्यूचर के लिए हमेशा तैयार और ऊंचे पोजीशन पर देखने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें सही गाइडेंस मिले। सिर्फ खेल-कूद या फिजिकली ही नहीं बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर आने वाली मुश्किलों से लड़ने के लिए भी बच्चों को मेंटली मजबूत होना चाहिए। इसके लिए बेहद जरूरी है कि पैरेंट्स टीनएज से ही अपने बच्चों में कुछ एक्टिविटीज की आदत डालें, जिससे वह अपने लक्ष्य पर बेहतर तरीके से फोकस करने में सक्षम हो सके। ऐसा करने से फ्यूचर में सफलता प्राप्त करने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। तो चलिए जानते हैं कि पैरेंट्स को बच्चों में वो कौन सी आदत डालनी चाहिए, ताकि उन्हें फ्यूचर के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

रोजाना योग की आदत

बच्चों को रोजाना कुछ यागासन या मेडिटेशन आदि करवाते रहना चाहिए। इससे न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली स्ट्रॉन्ग होने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा उनमें बचपन से ही एरोबिक्स एक्टिविटी करने की आदत डलवाएं। यह बच्चे को लाइफटाइम के लिए हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

ब्रेन एक्सरसाइज

बच्चों की मेमोरी शार्प करने के लिए जरूरी है कि आप उन्हें ब्रेन एक्सरसाइज करवाते रहें। इसके लिए मार्केट में मिलने वाले गेम जैसे प्रॉब्लम सॉल्विंग पजल, सुडोकु का इस्तेमाल करवाएं। इससे बच्चे में क्रिएटिविटी क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, आपका बच्चा मुसीबत आने पर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी आसानी से ढूंढ पाएगा।

टीम वर्क की आदत

टीम वर्क में काम करना हर व्यक्ति को आना चाहिए। तभी जीवन में सफलता मिलती है। सिर्फ खुद से मतलब रखने वालों को कभी भी सोशल बिहेवियर के बारे में समझ नहीं आता है। इसलिए जरूरी है कि बचपन से ही बच्चों में टीम वर्क की आदत डाल देनी चाहिए।

बच्चों में स्किल भी है जरूरी

आज की तारीख में स्किल की बहुत डिमांड है। सिर्फ किताबी कीड़ा होने से अब जीवन में आगे बढ़ पाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों के इंटरेस्ट के अनुसार, उन्हें कोई न कोई स्किल जरूर होनी चाहिए। फिर चाहे वह कुकिंग की स्किल हो या फिर म्यूजिक या डांसिंग की। बच्चे में कोई न कोई स्किल की आदत जरूर होनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन-ताइवान संघर्ष की आशंका के चलते अमेरिका ने बढ़ाया मिसाइल उत्पादन

-कम लागत और हाई प्रोडक्शन वाली क्रूज मिसाइलें कर रहा तैयार

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के युद्ध को दो साल हो चुके हैं। इसे रोकने के लिए कई प्रयास भी हुए जो नाकाम साबित हुए हैं। वहीं अमेरिका रुस के खिलाफ यूक्रेन को लड़ने के लिए हथियार भी मुहैया करा रहा है। इसी बीच चीन-ताइवान संघर्ष की भी संभावना जताई जा रही है, जिसे लेकर अमेरिका तैयारी कर रहा है। अमेरिका का लक्ष्य चीन के खिलाफ ताइवान स्ट्रेट संघर्ष के लिए मिसाइल उत्पादन को बढ़ाना है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी वायु सेना अपने एंटरप्राइज टेस्ट व्हीकल (ईटीवी)प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ रही है, जिसका उद्देश्य चीन के खिलाफ संभावित उच्च-स्तरीय संघर्षों के लिए कम लागत और हाई प्रोडक्शन वाली क्रूज मिसाइलें तैयार करना है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चार कंपनिया- एंडुरिल इंडस्ट्रीज, इंटीग्रेटेड सॉल्यूशंस फॉर सिस्टम्स, इंक, लीडोस की सहायक कंपनी डायनेटिक्स और जोन 5 टेक्नोलॉजीज को नए मिसाइल कॉन्सेप्टस के डिजाइन, निर्माण और फ्लाइट टेस्ट के लिए चुना है। यह मिसाइलें कई प्रक्षेपण विधियों के जरिए बड़े पैमाने पर तैनाती में सक्षम होंगी, जिससे विरोधियों के लिए रणनीतिक चुनौती पैदा होगी। ये परियोजना सफल होती है तो लागत कम करते हुए अमेरिकी एयरफोर्स की रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक डिजाइन का लक्ष्य 500 समुद्री मील (926 किमी) उच्च सबसोनिक गति और थोक ऑर्डर में 150,000 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट की लागत का लक्ष्य हासिल करना है। वर्तमान एजीएम-158बी हवा से सतह पर मार करने वाली स्टेंडऑफ मिसाइल से काफी कम है। एक्सटेंडेड रेंज की कीमत 12-15 लाख रुपए प्रति यूनिट है। ईटीवी परियोजना मिसाइल भंडार को बढ़ाने के लिए अमेरिका बड़े पैमाने पर खर्च कर रहा है। मार्च 2023 में पेंटागन ने अपनी सामरिक मिसाइल और युद्ध सामग्री शस्त्रागार को बढ़ाने के लिए 2024 के लिए अपने 842 बिलियन डॉलर के बजट में 30.6 बिलियन डॉलर आवंटित किए थे। यूक्रेन युद्ध ने बड़े पैमाने पर औद्योगिक युद्धों में सटीक-निर्देशित हथियारों की अत्यधिक मांग को दिखाया है, जिससे कम लागत वाले समाधान और भी जरूरी हो गए हैं।

पाकिस्तान में कार बम विस्फोट, सात पाकिस्तानी सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मारवात शहर में एक कार बम विस्फोट में सात सैनिक की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की प्रेस सेवा ने यह जानकारी देते हुए एक्स पर कहा रविवार को खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मारवत जिले में सुरक्षा बलों के वाहन पर आईईडी विस्फोट हुआ। विस्फोट में कैप्टन मुहम्मद फ़राज़ इलियास (26) ने छह अन्य बहादुर सैनिकों के साथ शहादत को गले लगाया। इससे पहले प्रेस सेवा ने कहा था कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक सुरक्षा बल चौकी पर आतंकवादी हमले में दो अधिकारियों समेत कम से कम सात पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

पहले कचरा अब गुबारों में पर्चे भरकर भेज रहा उत्तर कोरिया

सियोल। नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया के बीच का तकरार काफी पुराना है। पहले दोनों देश एक दूसरे पर मिसाइलों से हमला करते थे लेकिन अब दोनों देशों के बीच कचरे से भरे गुब्बारों से एक दूसरे को जवाब दिया जा रहा है। उत्तर कोरिया ने फिर से शनिवार को दक्षिण कोरिया की ओर कचरा भरे गुब्बारें भेजे हैं। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया पर लगातार सैकड़ों कचरे से भरे गुब्बारे भेजे हैं संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि उत्तर कोरिया फिर से दक्षिण की ओर कचरा ले जाने वाले (संदिग्ध) गुब्बारे उड़ा रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे किसी भी गुब्बारे की सूचना अधिकारियों को दें और उन्हें छूने से बचें। सियोल की सेना ने कहा कि दक्षिण कोरिया में प्योंगयांग विरोधी कार्यकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने सीमा पार नेता किम जोंग उन के खिलाफ पर्चे वाले गुब्बारे उड़ाए हैं। यह घोषणा सियोल की सेना द्वारा यह कहे जाने के कुछ घंटों बाद की गई कि वह उत्तर कोरिया से आने वाले एक नए गंदे हमले के लिए सतर्क है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि हम सतर्क हैं क्योंकि एक बार फिर से जवाबी कार्रवाई के लिए गुब्बारों पर हमला तेज हो गया है। वहीं, दक्षिण कोरिया ने भी फैसला किया है कि वह अब नए अंदाज में बदला लेगा। साउथ कोरिया अब उत्तर कोरिया से सटे बॉर्डर में लाउड स्पीकर लगाकर पड़ोसी देश के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाने का काम करेगा। दक्षिण कोरिया के इस फैसले से दोनों देशों की बीच हालात और बिगड़ सकते हैं। इससे पहले 2015 में दक्षिण कोरिया की तरफ से ऐसा किया गया था और इससे भड़के उत्तर कोरिया ने गोले दागे थे। दक्षिण कोरिया ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि, किसी की मौत नहीं हुई थी।

जब महिला पर 8.5 पाउंड वजनी उल्कापिंड गिरा....फिर हुआ क्या

सिलकागा। उल्कापिंड के धरती पर गिरने की घटनाएं बहुत ज्यादा नहीं होती हैं। लेकिन जब भी हुई हैं लंबे समय तक सुर्खियों में जरूर रही हैं। इंसान पर सबसे उल्कापिंड गिरने का दर्ज घटना जिसने 30 नवंबर, 1954 को अमेरिका के सिलकागा में हुई थी। तब दोपहर को अंतरिक्ष से एक चट्टान घर की छत पर गिरी थी जिससे छत में छेद हो गया था। इसके बाद नीचे सोफे पर लेटी ऐन होजेस के शरीर के बाएं हिस्से पर लगी। लेकिन ऐन का उस हादसे में बचना किसी चमत्कार से कम नहीं था। 8.5 पाउंड वजनी, 4.5 बिलियन वर्ष पुरानी काले रंग की एक छोटी सी अंतरिक्ष चट्टान अलबामा प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय में, आज भी मौजूद है। उल्कापिंड के ऐन के रूम में गिरने से पहले, सिलाकागा और पूरे पूर्वी अलबामा में लोगों ने रोमन मोमबत्ती की तरह एक चमकदार लाल रोशनी देखी थी। जब उल्कापिंड ऐन पर गिरा, तब घर धूल से भर गया था, और शुरू में लगा कि चिमनी गिर गई है या स्पेस हीटर फट गया है। लेकिन फर्श पर पत्थर और उसके शरीर पर बड़े अनानास के आकार के घाव को देखने के बाद, ऐन की मां ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को बुलाया। पुलिस प्रमुख ने काली चट्टान को जब्त कर वायु सेना को दे दिया, आम तौर पर, उल्कापिंड जैसी चीजें संग्रहालय में होती हैं, पर ऐन ने मांग की कि चट्टान उन्हें वापस कर दी जाए। लेकिन ऐन किराए के घर में रहती थी, और मकान मालिक, बर्डी गाइ ने भी उल्कापिंड पर दावा किया। कई महीनों की कानूनी लड़ाई के बाद, मामला अदालत के बाहर सुलझा लिया गया और ऐन और उसके पति ने अपनी मकान मालकिन को उल्कापिंड के लिए 500 डॉलर का भुगतान किया। शायद ऐन और यूजीन होजेस को उम्मीद थी कि वे उल्कापिंड को नीलामी करके बहुत पैसा कमा सकते हैं, लेकिन उन्हें निराशा हुई कि किसी ने उन्हें कुछ भी नहीं दिया। कुछ समय तक, परिवार ने पत्थर को अलबामा म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री को दान करने से पहले एक दरवाजे के रूप में इस्तेमाल किया, जहां यह अभी भी है।

कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या, पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

ओटावा। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में 28 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उन पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। हत्या के मामलों की जांच करने वाली 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस' की इकाई ने पीड़ित की पहचान युवराज गोयल के रूप में की है। उसने बताया कि पुलिस शुक्रवार सुबह सरे में गोलीबारी की सूचना मिलने पर जब घटनास्थल पर पहुंची तो उसे वहां गोयल का शव मिला।

फ्रांस में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एसीनी मार्ने स्मारक में फूल चढ़ाते हुए।

ट्रूडो की बधाई पर पीएम मोदी का 4 दिन बाद जवाब, कहा- दूसरे की चिंताएं समझनी होंगी

नई दिल्ली। लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद, नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने कनाडाई समकक्ष जस्टिन ट्रूडो के बधाई संदेश का जवाब दिया और कहा कि वह आपसी समझ और एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति सम्मान के आधार पर दोनों देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि बधाई संदेश के लिए कनाडा के पीएम को धन्यवाद। भारत आपसी समझ और एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति सम्मान के आधार पर कनाडा के साथ काम करने को उत्सुक है। पिछले साल खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाने वाली ट्रूडो की टिप्पणियों के बाद कनाडा के साथ चल रहे तनाव के बीच पीएम मोदी की प्रतिक्रिया आई है। भारत ने आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है। पीएम मोदी को ट्रूडो की बधाई पोस्ट का जवाब देने में चार दिन लग गए, जबकि उन्होंने अन्य विश्व नेताओं की समान शुभकामनाओं का तुरंत जवाब दिया था। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत के बाद, ट्रूडो ने पहले 6 जून को पीएम मोदी को अपनी शुभकामनाएं दी थीं। गठबंधन को 543 में से 294 सीटें हासिल हुईं। ट्रूडो ने ट्वीट किया भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई। कनाडा मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित रिश्ते को बढ़ावा देने के लिए उनकी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है।

2080 तक समुद्र में 70 फीसदी कम हो जाएगी

आक्सीजन की मात्रा, फूलने लगेगी मछलियों की सांस

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मछली खाने वालों के लिए डरावनी खबर है। उनके लिए भी बुरी है जो सी-फूड्स के दीवाने हैं । क्योंकि समुद्रों से लगातार ऑक्सीजन कम हो रही है। एक ताजा अध्ययन के मुताबिक सन 2080 तक दुनिया के सभी समुद्रों से 70 फीसदी ऑक्सीजन की कमी हो जाएगी। इसकी जलवायु परिवर्तन है। नए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि समुद्रों का बीच वाला हिस्सा जिसमें सबसे ज्यादा मछलियां पाई जाती हैं। उससे पूरी दुनिया का मछली उद्योग फलफूल रहा है। वहां पर लगातार ऑक्सीजन की कमी हो रही है। वह भी अत्यधिक अप्राकृतिक दर से। पिछले साल 2021 में दुनिया भर के समुद्रों में ऑक्सीजन गंभीर स्तर पर पहुंच गया है।

समुद्र में ऑक्सीजन घुली हुई होती है। वह भी गैस के रूप में। जैसे जमीन पर जानवरों को सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है, वैसे ही समुद्री जीवों को भी ऑक्सीजन की जरूरत होती है। लेकिन जिस तरह से क्लाइमेट चेंज की वजह से समुद्र गर्म हो रहे हैं, उनके पानी में घुली हुई ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है। वैज्ञानिक दशकों से लगातार समुद्र में कम हो रहे ऑक्सीजन को ट्रैक कर रहे हैं। नए

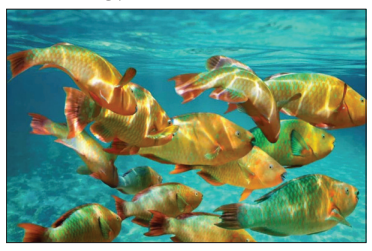

अध्ययन में क्लाइमेट मॉडल्स के जरिए बताया गया है कि कैसे आने वाले समय में समुद्रों में घुली हुई ऑक्सीजन खत्म होती चली जाएगी। इस प्रक्रिया को डीऑक्सीजेनेशन कहते हैं। यह सिर्फ किसी खास समुद्र में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के समुद्र इससे प्रभावित होंगे। बस इतना अंतर हो सकता है कि कहीं कम हो तो कहीं ज्यादा। नए अध्ययन में पता चला है कि अगर एक बार समुद्रों में घुली हुई ऑक्सीजन खत्म या कम हो गई तो उसे वापस से उसी स्तर पर लाना असंभव होगा। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे ठीक करना अत्यधिक मुश्किल है। समुद्र के बीच का लेवल डीऑक्सेजेनेशन की प्रक्रिया से ज्यादा प्रभावित हो रहा है। यह लेवल अब मछलियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है। सन 2021 में मिले इससे जुड़े डेटा काफी डराने वाले हैं।

स्टडी के मुताबिक साल 2080 तक डीऑक्सीजेनेशन की प्रक्रिया दुनिया के सभी समुद्रों में तेज दर से होगी। यह भी संभावित है कि तब तक समुद्र के बीच के लेवल से 70 फीसदी घुली हुई ऑक्सीजन कम हो जाए। यह अध्ययन हाल ही में प्रकाशित हुआ है। जिसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि क्लाइमेट चेंज की वजह से ऑक्सीजन का स्तर जमीन, पानी और वायुमंडल तीनों पर लगभग एक जैसा असर डाल रहा है। समुद्र के बीच का लेवल यानी 200 मीटर से 1000 मीटर की गहराई को मेसोपिलैजिक जोन कहते हैं। इसमें भी कई जोन होते हैं। क्लाइमेट चेंज की वजह से पहले जोन में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत ज्यादा कम हो रही है। वैश्विक स्तर पर मेसोपिलेजिक जोन में मछली उद्योग से जुड़ी वो सारी मछलियां पाई जाती हैं, जिनका व्यापार पूरी दुनिया में होता है। चाहे वह खाने के लिए हो या फिर उनसे किसी तरह का उत्पाद बनाने के लिए। व्यवसायिक उपयोग वाली मछलियों की प्रजातियां अगर खत्म होंगी तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा।

जिनपिंग ने नाममात्र की सैलरी पर जमा की अकूत दौलत

वाशिंगटन। ईमानदारी का डिंडोरा पीटने वाले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भ्रष्टाचार में गले गले तक डूबे है। उन्होंने चीन पर एक छत्र राज किया और कम वेतन होने के बाद भी अकूत दौलत जुटा ली। इसका अमेरिका की कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट में इसका

खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की संपत्ति और भ्रष्टाचार के बारे में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का अध्ययन किया गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सीसीपी नेतृत्व ने किस तरह चीनी लोगों के सामने अपने नाममात्र वेतन का दिखावा करते हुए अकूत संपत्ति जमा की है।

रिपोर्ट के सामने आने के बाद, सवाल उठता है कि दुनिया के लोग इस जानकारी का क्या करेंगे। इसका जवाब है कि क्वाड के सदस्य या फिर अलग-अलग समूह दुनिया भर के देशों को सीसीपी की संपत्ति के स्रोतों और स्थान की पहचान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। यह निश्चित है कि इस जांच में ये सामने आ जाएगा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता अरबपति हैं, जिनके पास न्यूयॉर्क, स्विटजरलैंड, दुबई, लंदन और पेरिस जैसी जगहों पर बेशुमार संपत्ति है। ये खुलासा चीनी लोगों के लिए आंख खोलने वाला होगा कि किस तरह से समाजवाद के नाम पर उन्हें छला जा रहा है और सीसीपी के नेता खुद अमीर बनते जा रहे हैं।सीआरएस की रिपोर्ट सीसीपी का कार्गुजारियों का दुनिया के सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस बात का हिसाब किताब करने में मदद मिलेगी कि शी और उनके परिवार और पार्टी के दूसरे नेताओं के पास विदेशी बैंकों और अन्य परिसंपत्तियों में कितने अरबों की दौलत जमा कर रखी है। सीआरएस की रिपोर्ट दुनिया भर के लोगों के लिए सीसीपी में भ्रष्टाचार को सामने लाती है। रिपोर्ट में वरिष्ठ सीसीपी अधिकारियों जैसे शी जिनपिंग और उनके परिवर के साथ ही वेन जियाबाओ जैसे पूर्व वरिष्ठसीसीपी दिग्गजों के बारे में भी खुलासा किया गया है। इसमें सीसीपी की तरफ से पैदा की गई परेशानियों का भी जिक्र किया गया है जो उनके खिलाफ रिपोर्ट लिखने वाले पत्रकारों के साथ किया गया है। सीसीपी नेतृत्व अपने खिलाफ किसी भी आलोचना को रोकने के लिए कठोर तरीका अपनाता है। शी जिनपिंग की संपत्ति की ब्लूमबर्ग न्यूज जांच का नेतृत्व करने वाले माइकल फोर्सिथ और उनके परिवार को मौत की धमकियां दी गई थीं। ब्लूमबर्ग की साइट को चीन के अंदर ब्लॉक कर दिया गया था।

यूक्रेन की वायुसेना एफ-16 लड़ाकू विमानों को रूसी हमलों से बचाने के लिए विदेशों में रख सकती है

कीव। यूक्रेन अपने पश्चिमी सहयोगियों से मिलने वाले एफ-16 लड़ाकू विमानों में से कुछ को विदेशी एयर बेस पर रख सकता है ताकि रूसी हमलों से उन्हें बचाया जा सके। यूक्रेनी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बेल्जियम, डेनमार्क, नीदरलैंड और नार्वे ने यूक्रेन को 60 से अधिक अमेरिका निर्मित एफ-16 लड़ाकू विमान मुहैया कराने का वादा किया है ताकि उसे रूसी हमलों का मुकाबला करने में मदद की जा सके। इस साल के अंत में इन विमानों की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है, ऐसे में यूक्रेनी पायलट इन्हें उड़ाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यूक्रेन की वायुसेना में विमानन प्रमुख सेरही होलुबसोव ने कहा कि एक निश्चित संख्या में विमान को यूक्रेन के बाहर स्थित एयर बेस पर तैनात रखा जाएगा ताकि यहां उन्हें निशाना बनने से बचाया जा सके। होलुबसोव ने अमेरिकी सरकार से वित्त पोषित रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी से कहा कि उन एफ-16 विमानों का इस्तेमाल विदेशों में यूक्रेनी पायलट को प्रशिक्षण देने और क्षतिग्रस्त विमानों को बदलने में किया जा सकता है क्योंकि उनकी मरम्मत की जा रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है यदि नाटो सदस्य देश यूक्रेन में इस्तेमाल किये गए लड़ाकू विमान अपने यहां रखते हैं तो मास्को वहां हमले करने पर विचार कर सकता है। यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगी, कीव को सैन्य सहायता बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि रूसी सैनिकों ने अमेरिकी सैन्य सहायता में लंबे समय से हो रही देरी का फायदा उठाते हुए 1,000 किलोमीटर (620 मील) से अधिक की सीमा रेखा पर हमले शुरू कर दिए हैं। यूक्रेन वर्तमान में अपने दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव के पास रूसी हमले को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जो सीमा से 30 किलोमीटर (20 मील से भी कम) से कम दूरी पर हैं।

पासपोर्ट पर बैन को लेकर मालदीव में घमासान, विदेश नीति पर उठ रहे सवाल

माले (एजेंसी)। फिलिस्तीनी लोगों पर लगातार गाजा में हमले को लेकर मुइज्जू सरकार ने इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। पिछले छह महीने से मालदीव की जनता की डिमांड के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसे लेकर मालदीव के अंदर ही सहमति नहीं बन पा रही है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ अब्दुल्ला फिरोश ने इजरायली पासपोर्ट के साथ मालदीव में प्रवेश पर रोक लगाने के लिए कानून में संशोधन करने के कैबिनेट के फैसले का विरोध किया है।

अब्दुल्ला फिरोश ने इस मुद्दे पर अपनी पहली पोस्ट में कहा, देश की विदेश नीति सोशल मीडिया पर जनता की ओर से व्यक्त की गई राय पर आधारित या सोशल मीडिया यूजर्स को खुश करने के लिए नहीं होनी चाहिए। इसके बजाय, यह राष्ट्रीय संसाधनों, रणनीतिक विचारों, आर्थिक स्वास्थ्य और राष्ट्र के समग्र लाभ के लिए सावधानीपूर्वक सोच विचार का परिणाम होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने फारिस मौमून की एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध का कारण पूछा था।उन्होंने कहा कि इजरायली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने से देश के मुसलमानों और दोहरी नागरिकता वाले व्यक्तियों को मालदीव आने से रोका जा सकेगा। इसके अलावा ये फैसला मालदीव की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा और राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। मालदीव की 98 फीसदी से ज्यादा आबादी मुस्लिम है। यहां इजरायल के खिलाफ एक्शन को लेकर बयान देने पर फिरोश को आलोचना का सामना करना पड़ा।

अमेरिका के ताइवान को हथियार बेचने पर चीन भड़का

- दक्षिण चीन सागर में सैन्य तैनाती हथियारों की होड़ को दे रही बढ़ावा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। बीजिंग,(ईएमएस)। अमेरिका के ताइवान को हथियार बेचने पर चीन भड़क गया है और उसने अमेरिका के खिलाफ सख्त नाराजगी दिखाई है। चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदोंग ने कहा कि अमेरिका दक्षिण चीन सागर में सुरक्षा चुनौती पेश कर रहा है, उसकी सैन्य तैनाती हथियारों की होड़ के भंवर में बदल रही है। चीन और अमेरिका के संधि सहयोगी फिलीपींस के बीच हाल ही में हुए समुद्री टकराव ने रणनीतिक दक्षिण चीन सागर को अमेरिका और चीन के बीच संभावित संघर्ष का बिंदु बना दिया है।

सन ने कहा कि वर्तमान में दक्षिण चीन सागर में सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती क्षेत्र के बाहर से आ रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के नेतृत्व वाली सेनाएं दक्षिण चीन सागर में सैन्य तैनाती और कार्रवाई को बढ़ावा दे रही हैं। समुद्री विवादों को भड़का रही हैं और तटीय देशों के वैध अधिकारों और हितों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मध्यम दूरी की मिसाइल तैनात करने का अमेरिका का कदम क्षेत्र को हथियारों की दौड़ के भंवर में धकेल रहा है, जिससे पूरा एशिया प्रशांत क्षेत्र भू-राजनीतिक संघर्ष के बादल मंडराने लगे है। उन्होंने कहा कि चीन दक्षिण चीन सागर में पक्षों के साथ विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अप्रैल में फिलीपींस ने अमेरिकी सहयोगियों के साथ एक बैठक के दौरान कहा कि वह दक्षिण चीन सागर में अपने संप्रभु अधिकारों का दावा करने के लिए दृढ़ है, चीन पर फिलीपींस के अपने उत्पीड़न को बढ़ाने का आरोप लगाया। चीन करीब पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है, जो सालाना तीन ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के जहाज व्यापार का मार्ग है और उसने अपनी मुख्य भूमि से एक हजार किमी दूर सैकड़ों तट रक्षक जहाजों को तैनात किया है।

फिलीपींस और चीन ने पिछले साल मनीला के विशेष आर्थिक क्षेत्र में आने वाली विवादित विशेषताओं के पास कई बार विवाद किया है। चीन लगातार फिलीपींस पर अतिक्रमण का आरोप लगाता है जबकि मनीला और उसके सहयोगी चीन द्वारा आक्रामकता की निंदा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि वह मनीला के साथ खड़ा है।

चीन ने पाकिस्तान को नहीं दिया भाव, चार में से सिर्फ एक प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पीएम सीपीईसी के 4 नए प्रॉजेक्ट के लिए अरबों डॉलर की आस लेकर चीन पहुंचे थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ जनरल मुनीर दोनों का जोरदार स्वागत किया। जिनपिंग ने जहां पाकिस्तान में सीपीईसी परियोजना में लगे चीनी नागरिकों की हत?या पर पाकिस्तानी नेताओं को फटकार लगाई, वहीं शहबाज शरीफ को खाली हाथ लौटा दिया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक चीन ने शहबाज शरीफ के 4 प्रमुख प्रॉजेक्ट में से केवल एक को ही मंजूरी दी। चीन अब कराकोरम हाइवे का विस्तार करने के लिए 2 अरब डॉलर देगा। यह वही हाइवे है जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है और भारत का इसका हमेशा से ही कड़ा विरोध करता रहा है। चीन और पाकिस्तान इसी हाइवे के जरिए एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। यही नहीं इस कराकोरम हाइवे से जोड़ने के लिए चीन अक्साई चिन में एक नया हाइवे बना रहा है। यह दोनों ही हाइवे चीन और पाकिस्तान दोनों के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण हैं। चीन ने शहबाज शरीफ सरकार से यह भी कहा है कि इस हाइवे के विस-?तार को शुरू करने के लिए अभी थोड़ा समय लगेगा।

इजरायल के वॉर कैबिनेट मंत्री का इस्तीफा, नए चुनाव कराने का आह्वान

-बोले-पीएम नेतन्याहू अपने राजनीतिक लाभ को दे रहे प्राथमिकता

यरूशलेम (एजेंसी)। हमास-इजराइल के बीच महीनों से युद्ध जारी है। इसमें इजराइली हमलें में हजारों बेकसूर फिलीस्तिनियों की मौत हो चुकी है। इसी बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को झटका लगा है उनके वॉर कैबिनेट मंत्री ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और नेतन्याहू से देश में नए चुनाव कराने का आह्वान किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के वॉर कैबिनेट मंत्री बेनी गैंट्ज़ सरकार से इस्तीफा देने की घोषणा के बाद इजराइली पीएम नेतन्याहू ने एक बयान जारी कर कहा कि इजरायल कई मोर्चे पर अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। बेनी, यह छोड़ कर भागने का समय नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक बेनी गैंट्ज़ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर आरोप लगाया कि वह अपने राजनीतिक लाभ को ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं, युद्धविराम समझौते पर नहीं सोच रहे और न ही समझौता करने आगे बढ़ रहे हैं, जिससे हमास के कब्जे में करीब 100 बंधकों की रिहाई नहीं हो पा रही है। गैंट्ज़ ने रविवार को कहा कि नेतन्याहू हमें जीत की ओर बढ़ने से रोक रहे हैं। राजनीतिक विचारों के कारण निर्णय लेने में वो पीछे हैं। नेतन्याहू की सरकार के खिलाफ बढ़ते जन विरोध को देखते हुए, गैंट्ज़ ने कहा कि आने वाली सर्दियों में देश में नए चुनाव कराए जाना चाहिए। उन्होंने नेतन्याहू से चुनाव की तिथि तय करने का आग्रह किया है। बेनी ने कहा कि हमारे लोगों को अलग-थलग न होने दें। नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने के गैंट्ज़ के फैसले के बाद अब सरकार में रूढ़िवादी मंत्री ही बचे हैं जो गाजा पट्टी पर फिर से कब्जा करने और वहां इजरायली बस्ती का विस्तार करने की वकालत करते हैं। गैंट्ज़ ने इस्तीफे से पहले मई में दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री को अल्टीमेटम दिया था, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि नेतन्याहू गाजा के लिए एक स्पष्ट रणनीति बनाएं, और युद्धविराम समझौते पर सहमत हों ताकि बंधकों की रिहाई हो सके।

आतंकी हमले की जांच करने रियासी पहुंची एनआईए टीम

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को श्रद्धालुओं की बस पर घात लगाकर बैठे आतंकियों ने हमला कर दिया। हमले के बाद बस गहरी खाई गिरी। हमले में एक बच्चे सहित नौ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 33 घायल हो गए। इसके बाद केंद्र की मोदी सरकार भी सक्रिय हो गई हैं, घटना की जांच के लिए एनआईए की टीम पहुंची है। श्रद्धालुओं से भरी बस पर हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए करेगी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम पुलिस की मदद करने और जमीनी हालात का आकलन करने के लिए जिला रियासी पहुंच गई है। एनआईए की फोरेंसिक टीम भी जमीनी स्तर से साक्ष्य जुटाने में मदद करने की कोशिश कर रही है। उधर, रियासी में पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ, सेना के जवानों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। वन क्षेत्र में तलाशी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। रियासी आतंकी हमले पर एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा, करीब छह बजे एक यात्री बस शिवखोड़ी से दर्शन करके रियासी की ओर जा रही थी। इस दौरान आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में नौ लोगों की मृत्यु हुई है और 33 लोग घायल हुए हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले आतंकी हमला

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से ठीक 20 दिन पहले प्रसिद्ध शिव धाम शिवखोड़ी से दर्शन कर लौट रहे यात्रियों की बस पर घात लगाकर आतंकियों की ओर से किए गए हमले के बाद बस गहरी खाई में जा गिरी। घटना में एक बच्चे सहित नौ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 33 घायल हो गए। सभी मरने वाले व घायल श्रद्धालु उत्तर प्रदेश, दिल्ली व राजस्थान के बताए जाते हैं। घटना में 6-7 यात्रियों को गोलियां लगी हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। ज्ञात हो कि अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होनी है।

वेब सीरीज द ट्रायल की को-स्टार नूर मालाबिका ने की खुदकुशी

- फ्लैट में पंखे से लटकी मिली सड़ी गली लाश, बदबू आने पर हुआ खुलासा

मुंबई। ये बंबई शहर हादसों का शहर हैं यहां रोज...यह गाना कुछ हद तक मुंबई नगरी पर फिट बैठता है। फिल्म इंडस्ट्री से हाल ही में एक चौकाने वाली खबर सामने आई है। वेब सीरीज द ट्रायल में अभिनेत्री काजोल के साथ काम कर चुकी को-स्टार नूर मालाबिका दास ने खुदकुशी कर ली है। एक्ट्रेस दास 37 साल की थी। वहीं, नूर मालाबिका की मौत की खबर ने सबको हैरान कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि घटना की जानकारी तब लगी, जब पड़ोसियों को फ्लैट से बदबू आने लगी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो अंदर घुसने पर पुलिस को नूर मालाबिका दास का शव सड़ी-गली हालत में पंखे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने उसके घर से कुछ दवाइयां, मोबाइल फोन और डायरी बरामद की है। नूर मालाबिका दास पहले कतर एयरवेज में एयर होस्टेज थीं और इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में अपना हुनर दिखाया इसके बाद वह कई हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आने लगी। इनमें सिसकियां, वॉकमैन, तीखी चटनी, जघन्या उपाय, चरमसुख, देखी अनदेखी आदि शामिल हैं। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी और पड़ोसियों के बयान भी दर्ज करने की बात कह रही है।

पश्चिम बंगाल में युवक की गोली मारकर हत्या, हमलावर फरार

-मृतक टीएमसी का कार्यकर्ता बताया जा रहा, आरोपियों की तलाश शुरु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के हरिहरपारा में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह व्यक्ति तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का कार्यकर्ता बताया जा रहा है। मृतक की मां ने कहा है कि उनके बेटे की हत्या जमीनी विवाद के चलते की गई है। पुलिस के अनुसार मृतक की मां ने कहा कि उनका बेटा सनातन घोष टीएमसी का कार्यकर्ता था और उन्होंने दावा किया कि जमीनी विवाद के कारण घोष की हत्या की गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हत्या के पीछे कोई राजनीतिक कारण था या भूमि विवाद को लेकर व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण यह हत्या की गई। जानकारी के अनुसार सनातन घोष (30) रविवार रात दो अन्य लोगों के साथ बाइक से जा रहा था तभी एक कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक से गिरने के बाद कार सवार हमलावरों ने उसे गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि घायल घोष को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है ।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर छात्रों का एनटीए के खिलाफ प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली। नीट यूजी रिजल्ट जारी होने के बाद से अब छात्र एनटीए पर गुस्सा निकाल रहे हैं। छात्रों ने परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी एनीटए पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्रों का कहना है कि इस बार परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि 67 छात्र को फुल मार्क्स आए हैं। इसके अलावा एक ही सेंटर से कई टॉपर निकलना भी नीट परीक्षा को शक के घेरे में खड़ा कर रहा है, जिसको लेकर सोशल मीडिया से लेकर सड़कों पर छात्र प्रदर्शन कर विरोध कर रहे हैं। नीट परीक्षाओं को लेकर जो विवाद चल रहा है, उसको लेकर छात्रों का प्रदर्शन जारी है। एनटीए के खिलाफ विरोध किया जा रहा है, इसी कड़ी में सीवायएसएस की दिल्ली यूनिट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी कैम्पस में प्रदर्शन करने की बात कही है। इसके अलावा एनएसयूआई छात्रों का भी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन जारी है। नीट परीक्षा एक बड़ा मुद्दा बन गई है। नीट यूजी गड़बड़ी मामले में एनडीए ने 8 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनटीए के डायरेक्टर जनरल सुबोध कुमार ने कई सवालों के जवाब दिए। इसके बाद एनटीए ने नीट की फिर से परीक्षा को लेकर कहा कि सभी छात्रों की फिर से परीक्षा नहीं होगी, जिन छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए गए हैं, उनको लेकर एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर एक हफ्ते बाद फैसला सामने आ जाएगा।

आतंकी हमले के बाद राजस्थान के पांच लोग लापता

- सीएम भजनलाल ने गृह मंत्रालय के अधिकारियों से की बात

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को बस पर हुए आतंकी हमले में 10 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई थी। इस बस में राजस्थान के चौमूं के एक बच्चे समेतपांच लोग लापता हैं। यह पांचों तीर्थयात्रा पर गए थे। राजस्थान के मुखयमंत्री भजनलाल शर्मा ने लापता लोगों के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों से बात की है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर रविवार को आतंकियों की गोलीबारी के बाद बस खाई में गिर गई। इससे 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 33 घायल हो गए। इस घटना में राजस्थान के जयपुर के चौमूं इलाके के पांच लोग लापता बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री से फोन पर बातचीत की है, जिसके बाद सीएमओ से जम्मू-कश्मीर व गृह मंत्रालय से संपर्क किया जा रहा है। चौमूं के पांच लापता लोग है उनमें राजेंद्र सैनी, ममता, पवन, पूजा सैनी, लिवांश के नाम है। ये सभी पांच लोग अपने परिवार के साथ वैष्णी देवी के दर्शन गए थे। हालांकि उनकी बात पवन नाम के शख्स से हो चुकी है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री से बातचीत की है, जिसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रशासन को सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं। एसएसपी मोहित शर्मा के मुताबिक बस शिवखोड़ी मंदिर से कटरा लौट रही थी। बस में 45 यात्री सवार थे। पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास घात लगाकर बैठे आतंकियों ने बस पर सामने से फायरिंग कर दी। गोली लगने से बस का ड्रायवर संतुलन खो बैठा और बस 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। गोलीबारी के बाद आतंकी वहां से भाग निकले। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

मोदी के फिर पीएम बनने से आतंकवादियों में खौफ

- धमकी देते हुए कहा, अब महमूद गजनवी की तरह किए जाएंगे हमले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बन गई है। रविवार को पीएम मोदी समेत मंत्रियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। मोदी की सरकार बनते ही पाकिस्तान और आतंकवादी संगठन में मोदी का खौफ नजर आने लगा है। पाकिस्तान के सहयोगी आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रोविंस ने मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के दिन अपने मुख पत्र के पहले पेज पर पोस्टर बनाकर लिखा-इंडियन किंग महमूद गजनबी का फिर से सामना करने के लिए तैयार रहें। इस आतंकवादी संगठन ने लगातार तीसरी बार कमान संभालने वाली मोदी सरकार को धमकी दी है कि

अब उनके ऊपर महमूद गजनवी की तरह हमले किए जाएंगे।

आतंकवादी संगठन की इस हरकत से साफ हो गया है कि अब वह लगातार आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे। अपने मुख पत्र में इस आतंकवादी संगठन ने मोदी सरकार के शपथ ग्रहण वाले दिन जारी किया है इसमें साफ तौर पर बीजेपी और उसके नेतृत्व को निशाना बनाया गया है। इस आतंकी संगठन ने अपने मुख पत्र में कुछ समय पहले बीजेपी की प्रमुख सदस्य और प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने भी पैगंबर साहब का अपमान किया था, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ या निचले स्तर के राजनेताओं ने उसे कुछ नहीं कहा अपने इस लेख में आतंकवादी संगठन ने एक वर्ग विशेष को बीजेपी के खिलाफ भड़काने का प्रयास किया था इसके साथ ही इस पत्रिका में आतंकवादियों को अपनी पहचान छुपा कर रखना और अपने मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की साइबर सुरक्षा के बारे में भी बताया गया।

प्रियंका गांधी वाड्रा से मिले पप्पू यादव का बयान... अगली बार कांग्रेस बहुमत के पार

नई दिल्ली । बिहार की पूर्णिया सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव चुनाव जीतने के बाद सोमवार को पहली बार दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचकर उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। चुनाव से ठीक पहले अपनी पार्टी का मर्जर करते हुए पप्पू यादव कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस मुलाकात को लेकर पप्पू यादव ने कहा, देश और बिहार की राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा हुई, एक ही संकल्प है, इस बार सौ पार,

अगली बार कांग्रेस बहुमत पार, बनाना है इंडिया गठबंधन की मजबूत सरकार, वंचितों गरीबों के नायक राहुल जी को बनाना है प्रधानमंत्री। वहीं 10 जुलाई को रुपौली में उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने सोमवार को इसकी घोषणा की है। जदयू विधायक बीमा भारती के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। रुपौली सीट को लेकर 14 जून को नोटिफिकेशन जारी होगा। इसके बाद 21 जून तक नॉमिनेशन की तारीख है। 24 जून तक स्क्रूटनी कर दी जाएगी। उम्मीदवारों के नाम वापसी की आखिरी तारीख चुनाव आयोग ने 26 जून तय की है। इसके बाद 10 जुलाई को मतदान होगा। 13 जुलाई को रुपौली विधानसभा का रिजल्ट भी आ जाएगा। बता दें कि बीमा भारती राजद की ओर से इस बार लोकसभा चुनाव भी लड़ी थी। हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

बिहार में अपने दम पर सभी 243 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी जन सुराज पार्टी : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसी)। जन सुराज अभियान के प्रमुख और राजनैतिक रणनीति कर प्रशांत किशोर ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को धूल चटाकर जन सुराज अपने बूते सरकार बनाएगा। जन सुराज दो अक्टूबर को राजनीतिक दल के रूप में परिवर्तित होगा, जिसका नाम जन सुराज पार्टी होगा। यह बात पीके ने पटना के ज्ञान भवन में आयोजित जिला संगठन पदाधिकारियों के अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। दो अक्टूबर 2022 को चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से जन सुराज पदयात्रा अभियान की शुरुआत की थी। जो पदयात्रा सितंबर तक पूरी हो जाएगी।

पीके ने घोषणा की कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज आबादी के आधार पर टिकट वितरण करेगा और संगठन में भी उसी आधार पर प्रतिनिधित्व देगा। जन सुराज अपने दम सभी 243

सीटों पर चुनाव लड़ेगा और बिहार में अपनी सरकार बनाएगा। चालीस महिलाओं को भी विधानसभा चुनाव में टिकट दिया जाएगा। अधिवेशन में संगठन से संबंधित कई प्रस्ताव लाए गए, जिसे पारित किया गया। इसमें दो अक्टूबर को अधिवेशन बुलाकर जन सुराज पार्टी के नाम से राजनीतिक दल बनाने, आबादी के हिसाब से भागीदारी तथा पटना में महारैली करने का निर्णय लिया गया।

अधिवेशन में पार्टी के संविधान निर्माण के लिए बनाई गई कमिटी का अनुमोदन किया और संविधान निर्माण करने की स्वीकृति दी गई। पदाधिकारियों ने पार्टी के संविधान को लेकर सुझाव दिए। पीके ने जन सुराज संगठन के पदाधिकारियों को बूथ, पंचायत, प्रखंड और जिलास्तर पर संगठन को अधिक धारदार बनाने और घर-घर जन सुराज अभियान को सफल बनाने की अपील की। अधिवेशन के बाद प्रशांत किशोर ने जन सुराज वाहिनी के सम्मेलन का भी उद्घाटन किया।? अधिवेशन का संचालन आरके मिश्रा, एनके मंडल, संजय कुमार ठाकुर ने किया। अफाक अहमद, लछनदेव प्रसाद, संतोष महतो, बिकाई महतो, वीर प्रसाद महतो आदि ने संबोधित किया। भोजपुरी गायक छैला बिहारी ने जन सुराज के लिए गीत गाकर लोगों को उत्साहित किया।

दोगुनी खुशी के साथ आज मनेगा लालू यादव का 77वां जन्मदिन

-राजद ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर बिहार में जीती हैं 9 सीटें

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर बिहार से 9 सीटें अपने जीती हैं। इस जीत में एक और खुशी शामिल हो गई। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद का आज11 जून को 77वां जन्मदिन है। उनके समर्थकों ने लालू के जन्मदिन को बिहार के सभी जिलों में मनाए जाने की खुशी प्रकट की है। दो बार स्वयं सीएम और तीन बार अपनी पत्नी रावड़ी देवी को सीएम बनाने वाले लालू का बिहार के सभी जिले में जन्मदिन मनाया जाएगा।

इंडिया गठबंधन की जीत के बाद कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। इसके साथ कार्यकर्ताओं ने लालू यादव के जन्मदिन को राज्य के सभी जिलों में मनाने का निर्णय लिया है। लालू यादव का जन्मदिन बड़े स्तर पर मनाने की बात कही है। लालू की लोकप्रियता देश-विदेश तक रही है। लालू अक्सर अपने विरोधियों को खास अंदाज में जबाव देते हैं। लालू का जन्म बिहार के गोपालगंज के फुलवरिया गांव में हुआ था। लालू का बचपन संघर्षों में बीता है। यही संघर्ष और जमीनी जुड़ाव उनके बोल-चाल में झलकता है। लालू के पिता का नाम कुंदन राय और माता का नाम मरछिया देवी था।

लालू यादव अपनी आत्मकथा गोपालगंज टू रायसीना में अपनी गरीबी का जिक्र किया है। इस किताब में उन्होंने लिखा कि उनके पास खाने के लिए खाना और पहनने के लिए कपड़े नहीं होते थे। वे गांव में भैंस चराते रहते थे। लालू बचपन से बेहद शरारती थे। उनकी शरारतों के कारण उन्हें पटना पढ़ने के लिए भेज दिया था। पटना विश्वविद्यालय से उन्होंने एलएलबी और फिर राजनीतिक विज्ञान से मास्टर की डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने क्लर्क का काम भी किया।

पटना यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन के महासचिव बनकर लालू याद व अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। फिर जेपी आंदोलन से जुड़े और जेल भी गए। यहीं से लालू ने अपनी राजनीतिक उड़ान भरी। साल 1977 में जनता पार्टी से चुनाव लड़ा और सबसे कम उम्र में सासंद चुने गए। जब लालू यादव ने रेल मंत्रालय संभाला तो इनके प्रबंधन की तारीफ चौतरफा हुई। उनके कार्यकाल में रेलवे ने काफी कमाई की थी। सबसे आश्चर्य की बात यह थी कि ये लाभ बिना किसी यात्री किराये या माल भाड़ा बढ़ाए अर्जित किया गया था। लालू के जीवन के कुछ पन्नों में कालिख लगी हुई है जिसके दाग वो चाहकर भी कभी नहीं साफ कर सकते। राजद सुप्रीमो पर चारा घोटाले का आरोप लगा। इस कारण उन्हें साल 1997 में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि इसके बाद उनकी पत्नी राबड़ी देवी बिहार की मुख्यमंत्री बनी थीं।

केंद्र में सरकार बनते ही शुरु हुई हार की समीक्षा, सीएम योगी और शाह के बीच हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के आए नतीजों में उत्तर प्रदेश ने भाजपा को सर्वाधिक निराश किया है। अब केंद्रीय मंत्रिमंडल की शपथ के बाद दिल्ली में बड़ी चुनावी हलचल देखने को मिल रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमित शाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच अमित शाह के आवास पर बैठक हुई है। लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद दोनों नेताओं के बीच ये पहली बैठक है। इस बार लोकसभा चुनावों में बीजेपी को यूपी में बड़ा झटका लगा है। ऐसे में इस बैठक को बड़ा अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने और केंद्रीय मंत्रिपरिषद में उनके सभी सहयोगी मंत्रियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स अपने एक पोस्ट में कहा, केंद्र सरकार में आज मंत्री पद की शपथ लेने वाले समस्त माननीय गण को हार्दिक बधाई! उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के युगांतरकारी नेतृत्व में आप सभी की लोक-निष्ठा, राष्ट्र-निष्ठा, दक्षता और कर्मठता आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी। अमृतकाल के सभी संकल्पों को पूर्णता प्राप्त होगी। मैं आप सभी के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करता हूं।बता दें

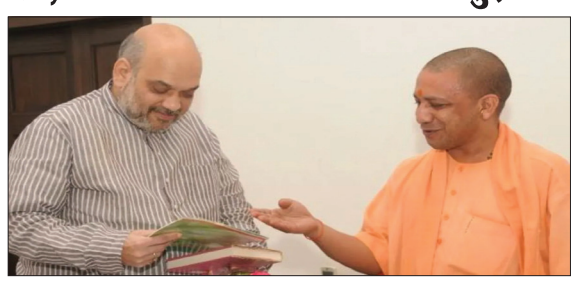

कि लोकसभा चुनावों में बीजेपी को यूपी में बड़ा नुकसान हुआ है। बीजेपी को यूपी में 33 सीटें मिली, जबकि समाजवादी पार्टी 37 और कांग्रेस 6 सीटें जीतने में सफल रही। यूपी में बीजेपी के कई दिग्गज तक हार गए, जिसमें कुछ कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि बीजेपी यूपी में हार की समीक्षा कर रही है। इस बीच योगी आदित्यनाथ और अमित शाह की इस बैठक को अहम माना जा रहा है। अमित शाह से मुलाकात के बाद योगी आदित्यनाथ राजनाथ सिंह से भी मिलेंगे।

बीजेपी को मोदी की जगह किसी और को पीएम चुनना चाहिए: घोष

- शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अंधेरे में बैठी रहीं ममता

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। नई सरकार बनने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सागरिका घोष ने सोमवार को कहा कि बीजेपी को एक नया नेता चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी की जगह किसी और को पीएम के तौर पर चुनना चाहिए, क्योंकि पूरा चुनाव प्रचार उन पर केंद्रित होने के बावजूद वह बहुमत हासिल नहीं कर सके। राज्यसभा सदस्य घोष ने कहा कि टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने रविवार शाम को मोदी और केंद्रीय मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अपने घर की सभी लाइटें बंद कर दीं और अंधेरे में बैठी रहीं। टीएमसी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुई। सागरिका घोष ने एक्स पर लिखा-नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मना रहे सभी लोगों को भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का संदेश।

यूपी और पंजाब में चलेगी लू, महाराष्ट्र में होगी भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी राज्यों में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। भीषण गर्मी और लू ने कई लोगों की जान भी ले ली है। मौसम विभाग की मानें तो आज 10 जून से 13 जून तक दिल्ली, यूपी, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, बिहार और झारखंड में अलग-अलग जगहों पर लू का दौर जारी रह सकता है। वहीं कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र, अरुणाचल और मेघालय में मानसून दस्तक दे चुका है और इन स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया है।

दिल्ली में मौसम विभाग ने 10 से 13 जून तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी। इस हफ्ते दिल्लीवासियों को तेज गर्मी और लू का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक इस पूरे हफ्ते दिल्ली का अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 से 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के अनुसार, अगले 24 घंटों में दक्षिण कोंकण गोवा, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और तटीय कर्नाटक में हल्की बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं तेलंगाना, मराठवाड़ा, उत्तरी कोंकण और गोवा, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, केरल और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, लक्षद्वीप और विदर्भ के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, दक्षिण गुजरात, मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिमी हिमालय में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में लू की चल सकती है। पूर्वी यूपी के अलग-अलग इलाकों में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ, जिसकी पहुंच औसत समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर है, अब करीब 70 डिग्री पूर्व देशांतर के साथ अक्षांश 28 डिग्री उत्तर के उत्तर में चल रहा है। वहीं उत्तर पश्चिमी यूपी में औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चाहने वालों की सोशल मीडिया पर उमड़ी भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस विरोधी भले ही राहुल गांधी को पप्पू,शहजादे और न जाने किन किन शब्दों से नवाजें,लेकिन आम आदमी उन्हे दिल से चाहता है। शायद यही वजह है कि सोशल मीडिया पर राहुल को चाहने वालों की कतार लंबी हो गई है। इंस्टग्राम,एक्स जैसे कई सोशल प्लेट फॉर्मो पर राहुल गांधी के फॉलोअर्स लगातार बढ़ रहे हैं। दिसंबर 2023 और मई 2024 के बीच इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब पर गांधी के नए फॉलोअर्स की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जबकि लोकसभा चुनावों से पहले इन प्लेटफॉर्म पर मोदी द्वारा हर महीने नए फॉलोअर्स की संख्या में मामूली गिरावट आई या यह स्थिर रही। हालांकि मोदी और भाजपा इन सभी प्लेटफॉर्म पर फॉलोअर्स की संख्या में सबसे आगे हैं, लेकिन डब्ल्यूपीपी ग्रुप समर्थित ग्रे वर्ल्डवाइड के स्वामित्व वाली डिजिटल-सोशल एजेंसी ऑटम ग्रे से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने दिसंबर और मई के बीच इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स पर उनसे अधिक नए फॉलोअर्स जोड़े हैं। डाटा से पता चलता है कि इस अवधि के दौरान इंस्टाग्राम पर गांधी के फॉलोअर्स की संख्या में हर महीने औसतन 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि फोटो और वीडियो शेयरिंग सोशल नेटवर्क पर मोदी के नए फॉलोअर्स की वृद्धि दर औसतन 5 प्रतिशत प्रति माह घटी है। ट्विटर पर राहुल गांधी के नए फॉलोअर्स औसतन 61 प्रतिशत प्रति माह की दर से बढ़े हैं, जबकि बड़े पैमाने पर मोदी के नए फॉलोअर्स की वृद्धि दर शून्य रही। यूट्यूब पर, गांधी के नए फॉलोअर्स औसतन 12 प्रतिशत प्रति माह की दर से बढ़े हैं, जबकि मोदी के फॉलोअर्स की वृद्धि दर औसतन 3 प्रतिशत घटी है। भाजपा का प्रतिनिधित्व करने वाली एक विज्ञापन एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह एक इंस्टाग्राम चुनाव था, हमें युवा मतदाताओं को आकर्षित करने और लुभाने के लिए डिजिटल-सोशल रणनीतियों, लघु वीडियो, रील आदि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया था, जो अपना आधे से अधिक दिन स्क्रीन पर बिताते हैं।जबकि कांग्रेस के रचनात्मक अभियान का नेतृत्व विज्ञापन एजेंसी डीडीबी मुद्रा ने किया था। भाजपा ने अपने रचनात्मक अभियान का नेतृत्व करने के लिए मैककैन वर्ल्ड ग्रुप को चुना था। इसके अलावा स्केयरक्रो एमएंडसी साची, साथ ही अपने सामाजिक अभियानों के लिए कई छोटी बुटीक एजेंसियों को भी हायर किया था, जिसमें अबकी बार थीम को बढ़ावा देना भी शामिल था।इस साल फरवरी में चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए डाटा के अनुसार 2024 के चुनावों में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 18।5 मिलियन पहली बार मतदाता थे। हालांकि पूर्ण रूप से मोदी के फॉलोअर्स की संख्या इन सभी प्लेटफॉर्म पर गांधी से बहुत आगे रही। अगर पूरे परिदृश्य को देखें तो भाजपा भी कांग्रेस से इसी तरह आगे है। उदाहरण के लिए इंस्टाग्राम पर मोदी के 90।2 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि गांधी के 10 मिलियन फॉलोअर्स हैं। एक्स पर मोदी के 98।5 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जोकि गांधी के 25।9 मिलियन फॉलोअर्स से तीन गुना से भी अधिक है। भाजपा के एक्स पर 22 मिलियन

फॉलोअर्स हैं, जो कांग्रेस के 10।6 मिलियन से दोगुना है। मीडिया विश्लेषकों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कांग्रेस डिजिटल दुनिया में भाजपा को पकड़ने की कोशिश कर रही है, जिसका राजनीति और चुनाव के हर दूसरे पहलू पर प्रभाव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। अन्य नेता और राजनीतिक दल इस मामले में बहुत पीछे हैं, यहां तक कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी भी इन प्लेटफार्मों पर इतना प्रभाव नहीं बना सकी है। विश्लेषकों का कहना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल जाने से काफी नुकसान हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डुमस भूमि घोटाले में सूरत के पूर्व कलेक्टर आयुष ओक निलंबित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

२००० करोड़ के डुमस जमीन घोटाले में सूरत के पूर्व और वर्तमान वलसाड कलेक्टर आयुष ओक निलंबित

सूरत के डुमस में हुए २००० करोड़ के जमीन घोटाले में गुजरात सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है. २००० करोड़ रुपये के डुमस जमीन घोटाले में सूरत के पूर्व और वर्तमान वलसाड कलेक्टर आईएएस आयुष ओक को निलंबित कर दिया गया है। यह घोटाला सूरत के पास डुमास में सर्वे नंबर ३११-३ के तहत लगभग २००० करोड़ रुपये की २.१७ लाख वर्ग मीटर सरकारी जमीन को गनोतिया कृष्णमुहलाल भगवानदास श्रॉफ के नाम पर एक दाई बिल्डर को बेचने में सामने आया था।

Suspension of Shri Aayush Sanjeev Oak, IAS (RR:GJ:2011) under Rule 3(1) (a) of the AIS (D&A) Rules, 1969.

GOVERNMENT OF GUJARAT
General Administration Department
Order No. AIS/41/2024/3058(A)/G
Sachivalaya, Gandhinagar.
Dated 10th June, 2024.

ORDER:-

WHEREAS, disciplinary proceedings against Shri Aayush Sanjeev Oak, IAS (RR:GJ:2011) Collector, Valsad are contemplated for serious charges of grave negligence causing situation involving a huge financial loss to the Government exchequer while dealing with the matter of Revenue Land during the tenure of Collector, Surat from the period dt. 23/06/2021 to 01/02/2024.

NOW THEREFORE, the Government of Gujarat, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-rule (1) of Rule -3 of the All India Services (Discipline & Appeal) Rules, 1969, hereby places Shri Aayush Sanjeev Oak, IAS under suspension with immediate effect.

It is further ordered that Shri Aayush Sanjeev Oak, IAS shall be entitled to receive a subsistence allowance at an amount equal to the leave salary which he would have drawn if he had been on leave on half-average pay or on half pay and in addition, dearness allowance, if admissible on the basis of such leave salary as per the provision under clause (a) of sub-rule (1) of rule-4 of the All India Service (Discipline & Appeal) Rules, 1969.

Also, the headquarter during the period of his suspension shall be at Dist. Patan and that during the period of suspension, he will be entitled to receive a subsistence allowance as per rule- 4 (1) (a) of the All India Services (Discipline & Appeal) Rules, 1969 subject to the following conditions:-

(i) He will have to furnish a certificate every month to the effect that he is not engaged in any other employment, business, profession or vocation. Such certificate shall be produced during the first week of every month to the Additional Chief Secretary to Govt.(Personnel), General Administration Department.

(ii) During the period of suspension, Shri Aayush Sanjeev Oak, IAS will not leave the headquarter (i.e. Dist. Patan) without obtaining the prior approval of the Additional Chief Secretary to Govt. (Personnel), General Administration Department.

By order and in the name of the Governor of Gujarat,

(Jaimeen Shah)
Under Secretary to the Government of Gujarat
General Administration Department (Ser.II)

To
Shri Aayush Sanjeev Oak, IAS,
Collector, Valsad.

Copy to :

The Secretary to Government of India,
Department of Personnel & Training,
Ministry of Personnel, P.G. & Pensions,
North Block, New Delhi-110001.

स्मीमेर मेडिकल कॉलेज में अश्लील घटना पर डीन, रेक्टर और वार्डन को कारण बताओ नोटिस जारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के मशहूर स्मीमेर कॉलेज के अंदर रंगरेलिया मनाए जाने की घटना के बाद पूरे मेडिकल क्षेत्र में हड़कंप मच गया है. स्मीमेर मेडिकल कॉलेज के ब्वॉयज हॉस्टल में एक रेजिडेंट डॉक्टर द्वारा थाई लड़की को हॉस्टल में बुलाने की घटना सामने आई है. स्मीमेर मेडिकल कॉलेज को शर्मसार करने वाली इस घटना को लेकर मेडिकल क्षेत्र में भी डॉक्टर की हरकतों की आलोचना हो रही है. एक ओर जहा बॉयज हॉस्टल में हुई इस घटना को लेकर शहर भर में बहस छिड़ गई है, वही दूसरी ओर सूरत नगर निगम की ओर से एक जांच कमेटी नियुक्त की गई है, जो पूरी रिपोर्ट तैयार करेगी. आखिरकार पूरी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कमिश्नर ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है.

बॉयज हॉस्टल में ऑन कॉल रेजिडेंट डॉक्टर ने डेढ़ साल पहले रैगिंग की थी, जिसमें वह खुद ६ महीने के लिए सस्पेंड हुआ था, लेकिन फिर भी रेजिडेंट डॉक्टर अपनी हरकतों से सीख नहीं ले रहा है. कॉलेज हॉस्टल में लड़की को इस तरह बुलाने की घटना ने एक बार फिर विवाद पैदा कर दिया है. स्मीमेर मेडिकल कॉलेज के ब्वॉयज हॉस्टल में हुई घटना के मामले में नगर निगम आयुक्त ने जांच कमेटी गठित कर दी है. जिसमें कुल ५ सदस्य तय किये गये हैं. डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. विपुल श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा देसाई, डॉ एमएन हक और असिस्टेंट प्रोफेसर राले को सदस्य बनाया गया है. जांच कमेटी को २४ घंटे के अंदर पूरी घटना पर रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया गया है. अब जांच कमेटी किस तरह से रिपोर्ट तैयार करती है और रेजिडेंट डॉक्टर द्वारा किए गए कार्यों में क्या बातें सामने आती हैं. अब सब की निगाह उस पर है.

बीयू की अनुमति के बिना छोटी दुकानों को सील , अवैध अपार्टमेंट के खिलाफ कोई कार्रवाई नही करने पर विवाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, राजकोट गेमजोन दुर्घटना के बाद, सूरत नगर निगम ने भी बीयू अनुमति और फायर एनओसी न होने पर अस्तित्वहीन संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई की है. नगर निगम अब तक करीब ९०० परिसरों को सील कर चुकी है, लेकिन वैध छोटी दुकानों को सील किया जा रहा है. नगर निगम क्षेत्र में पांच से सात मंजिल की संपत्ति के अवैध अपार्टमेंट बनने के साथ ही बड़े-बड़े अस्थायी निर्माण होने से लोगों में नगर निगम की कार्यप्रणाली के प्रति काफी गुस्सा है.

सूरत नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ कई ज्ञापन दिए जा रहे है. नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ जो शिकायतें आ रही हैं उनमें से ज्यादातर यही है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली भेदभावपूर्ण है और छोटे लोगों को निशाना बनाकर परेशान किया जा रहा है. नगर निगम के अधिकारियों से गंभीर शिकायत करने वाले लोगों का कहना है कि नगर निगम द्वारा वर्षों पुरानी छोटी किराना दुकान, नाई की दुकान, छोटे सफाई कर्मचारी, वकील कार्यालय या अन्य छोटे दुकान-कार्यालय पर कार्रवाई की जा रही है. नगर पालिका इन दुकानों को सील कर देती है, लेकिन जिन अपार्टमेंटों में दुकानें हैं, उनके पास भी फायर एनओसी या बीयू की अनुमति नहीं होने पर प्रॉपर्टी सील नहीं की जाती.

इसके अलावा नगर निगम के कुछ जोन में पांच से सात मंजिला अपार्टमेंट पूरी तरह से अवैध हैं, लेकिन नगर निगम सिस्टम इसके खिलाफ कोई काम नहीं कर रहा है. इसके अलावा अस्थायी ढांचे की कार्यप्रणाली के खिलाफ भी विवाद खड़ा हो गया है. छोटी-छोटी अस्थायी संरचनाओं को सील कर दिया गया है, लेकिन शहर में अभी भी अस्थायी संरचनाएं मौजूद हैं और नगर निगम में उनकी सेटिंग या राजनीतिक समर्थन होने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है. ऐसी कई शिकायतों से लोगों में नगर पालिका की कार्यप्रणाली के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है. लोगों की मांग है कि सभी अवैध अपार्टमेंट और बड़े अस्थायी ढांचों पर कार्रवाई की जाए. यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो लोग नगर निगम की कार्यप्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे.

ड्राइवर ने फुल स्पीड में रिंग रोड के किनारे बैठे ७ लोगों को रौंदा,पिता-पुत्र समेत ३ की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, गुजरात में आए दिन एक्सीडेंट की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. एक बार फिर सूरत में हादसे की घटना हुई. वराछा क्षेत्र में शुक्रवार (७ जून) रात एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे अपने वाहन लेकर बैठे सात लोगों को कुचल दिया. जिसमें एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई है और चार लोग घायल हो गए हैं. जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इनमें से दो की हालत गंभीर है.

जानकारी के मुताबिक, सूरत शहर के मोटा वराछा क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब ११.३० बजे एक होंडा सिटी कार पूरी रफ्तार से दौड़ रही थी. इसी दौरान कार चालक ने कार की स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे बाइक पर बैठे लोगों को टक्कर मार दी. जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई. जबकि चार अन्य को चोटों के इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है. इस हादसे के शिकार मृतकों में वियान देवेश वघानी (उम्र ६), देवेश वघानी और संकेत हिम्मत ववाडिया (उम्र २९) के नाम शामिल हैं. हालांकि, सूरत की उत्तराण पुलिस ने इस हादसे को अंजाम देने वाले कार ड्राइवर आरोपी जिग्नेश अमृतलाल गोहिल (उम्र ४०) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. सूरत में दर्जी का काम करता है. मूल रूप से वल्लभीपुर के राजपारा गांव के रहने वाले हैं.

उत्तराण थाने के पीआई ए.डी. महंत ने कहा कि यह बात सामने आई है कि यह दुर्घटना जिग्नेश अमृतलाल गोहिल नाम के व्यक्ति की वजह से हुई है. वह अमरोली के स्टार गैलेक्सी छापराभाठा रोड वरियाव इलाके में रहता है. प्राथमिक पूछताछ में उसने बताया है कि वह अहमदाबाद के अपने रिश्तेदार, जो कैंसर से पीड़ित है, के बारे में अहमदाबाद सिविल अस्पताल से पूछकर लौट रहा था. इसी दौरान वह सूरत के रिंग रोड इलाके से गुजर रहे थे. इसी दौरान अचानक झुकाव के कारण वह स्टेयरिंग से नियंत्रण खो बैठा और इस कारण हादसा हो गया. उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. यह जांचने के लिए ब्रेथ एनालाइजर का इस्तेमाल किया गया कि आरोपी नशे की हालत में था या नहीं और रक्त के नमूने भी लिए गए. पता चला कि हादसे के वक्त आरोपी नशे में नहीं था. पुलिस द्वारा अभी भी सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और कानूनी कार्रवाई भी की गई है. आरोपी के खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया गया है. हालांकि मेडिकल जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चला कि आरोपी शराब के नशे में नहीं था.

युथ कांग्रेस का विरोध, सील जल्द खुलवाने की मांग की गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, राजकोट में आग लगने की घटना के बाद प्रशासन ने बिना NOC-BU वाले होटल, अस्पताल, जिम, गेम जोन, ट्यूशन क्लास आदि को सील करने की कार्रवाई की थी. इसकी वजह से कई लोगों की आजीविका पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है. जिसके बाद निगम से जल्द से जल्द सील खोलने की मांग की गई है. युथ कांग्रेस की ओर से निगम में जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया.

सूरत शहर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक मोर्चा बनाकर नगर निगम के मुख्य कार्यालय में एक प्रस्तुति दी और इसे आयुक्त को सौंपा, इस दौरान बड़ी संख्या में सूरत शहर युवा कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे. सूरत शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष मेहुल देसाई, राष्ट्रीय युवा कांग्रेस मंत्री प्रदीप सिंधव, असलम साइकिलवाला, दिनेश सावलिया, शैलेश रायका, विपुल उधनवाला, रायसाबेन शेख, विशाल बारडोलिया, अफसर लाइटवाला, कादिर शेख, नासिर खान, सलीम सैयद, तौसीफ अंसारी, समीर रांदेरी ,शोएब चांदीवाला, मोईन मेमन, तुफेल पटेल, मारूफ पटेल, आदिल कुरेशी, अनस मालेक, आमिर पठान, प्रीत चावड़ा, धैर्यराज सिंह जाडेजा, धीरेंद्र राजपूत, सोहेल साइकिलवाला, मोहसिन कानूगा, अज़हर शेख, अदनान अंसारी आदि मौजूद रहे.

कापोद्रा से अवैध गैस री-फिलिंग घोटाला सामने आया, दो दुकानदारों से ३६ बोतलें जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में गैस री-फिलिंग की अवैध गतिविधि पर पुलिस ने सख्ती अपनाई हैं. हालाँकि, यह अवैध गतिविधि बड़े पैमाने पर होती देखी जाती है. एक बार फिर कापोद्रा पुलिस ने अवैध गैस री-फिलिंग के मामले में दो दुकानों पर छापेमारी कर दो व्यक्तियों के साथ ३६ छोटी-बड़ी बोतलें जब्त की.

कापोद्रा पुलिस को मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की गयी. कापोद्रा क्षेत्र में मोहनबाग अलीशान चैंबर्स दुकान नंबर ०४ चामुंडा करियाणा एंड गैस सर्विस गैस बोतल से दूसरी बोतल में गैस रिफिलिंग और मोहनबाग काकड़िया चैंबर्स दुकान नंबर ०२ बापसीताराम गैस सर्विस पर गैस बोतल से दूसरी बोतल में गैस सर्विस दुकान की आड़ में गैस री-फिलिंग की जाती थी. साथ ही बड़े पैमाने पर गैस सिलेंडर का भंडारण किया गया था. लोगों की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की हरकत करने वाले दो दुकानदारों की गैस की बोतलें और रिफिलिंग का सामान बरामद किया गया है और ५७,७०० के सामान के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. दोनों दुकानदारों के पास से ३६ छोटी-बड़ी बोतलों के साथ-साथ वजन कांटा और गैस री-फिलिंग पाइप भी जब्त कर लिया गया है. आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने दो टीमों का गठन किया था. फिलहाल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है. गिरफ्तार आरोपी १. कन्हैयालाल खटीक २. ईश्वरलाल पुरोहित